मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्षः 8 अंक 233
बुधवार, 11 मार्च 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

विश्व भर में चिंताजनक हालात के बीच पीएम मोदी ने लिये कई बड़े और अहम फैसले

नई दिल्ली, 10 मार्च। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केन्द्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में आज कई अहम फैसले लिये गये। मोदी सरकार ने देश के आर्थिक ढांचे, आधारभूत संरचना और जनकल्याण से जुड़ी योजनाओं संबंधी जो निर्णय लिये हैं वह दर्शा रहे हैं कि केवल विकास परियोजनाओं की घोषणा नहीं की जा रही है बल्कि उन्हें विकसित भारत के दीर्घकालिक लक्ष्य से जोड़ते हुए क्षेत्रीय संतुलन, सामाजिक सशक्तिकरण और राजनीतिक संदेश को भी साधने की कोशिश की जा रही है।

सबसे महत्वपूर्ण फैसलों में ग्रामीण जल आपूर्ति को लेकर जल जीवन मिशन को वर्ष 2028 तक बढ़ाने और उसके लिए आठ लाख उनहत्तर हजार करोड़ रुपये का विशाल प्रावधान करना शामिल है। इस योजना का उद्देश्य अब केवल पाइपलाइन बिछाना नहीं बल्कि हर गांव में टिकाऊ जल सेवा व्यवस्था स्थापित करना है। सुजल भारत नामक राष्ट्रीय डिजिटल ढांचा बनाकर हर गांव की जल व्यवस्था को स्रोत से नल तक डिजिटल रूप से भी जोड़ा जायेगा।

हम आपको बता दें कि वर्ष 2019 में देश के केवल 17 प्रतिशत ग्रामीण घरों में नल का जल पहुंचा था, जबकि अब यह आंकड़ा 81 प्रतिशत से अधिक हो चुका है। इस विस्तार ने ग्रामीण जीवन में बड़ा बदलाव किया है। अध्ययन बताते हैं कि करोड़ों महिलाएं रोज पानी लाने के श्रम से मुक्त हुई हैं और अब वे शिक्षा, रोजगार और अन्य आर्थिक

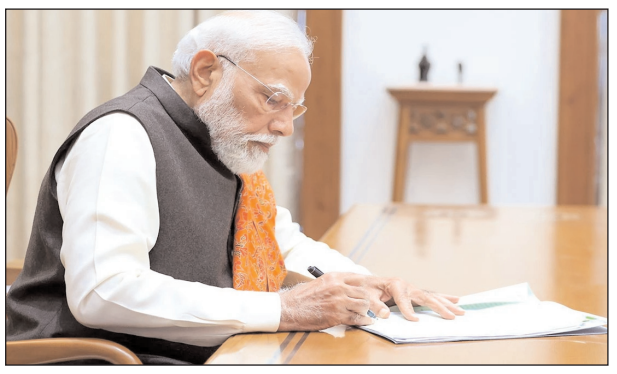

गतिविधियों में भागीदारी कर पा रही हैं। स्वास्थ्य पर भी इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ा है क्योंकि स्वच्छ जल से जल जनित रोगों में कमी आयी है। जल जीवन मिशन 2.0 के माध्यम से सरकार ग्रामीण भारत में चौबीसों घंटे जल आपूर्ति का लक्ष्य तय कर रही है, जो विकसित भारत की आधारभूत आवश्यकता मानी जाती है।

इसके अलावा, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ करने के लिए कई बड़े परिवहन प्रकल्पों को भी मंजूरी दी है। मध्य प्रदेश में उज्जैन को दिल्ली मुम्बई एक्सप्रेसवे से जोड़ने वाले बदनावर पेटलावद थांदला तिमरवानी मार्ग को चार लेन में विकसित करने की योजना इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। लगभग अस्सी किलोमीटर लम्बे इस गलियारे से यात्रा समय कम होगा और माल ढुलाई सस्ती होगी। आदिवासी बहुल धार और झाबुआ जिलों में यह परियोजना स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति देगी तथा उद्योग केन्द्रों से संपर्क मजबूत करेगी।

इसी प्रकार उत्तर प्रदेश और हरियाणा में जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को दिल्ली मुम्बई एक्सप्रेसवे से जोड़ने के लिए हरित क्षेत्रीय संपर्क मार्ग के निर्माण को भी मंजूरी दी गयी है। लगभग 31 किलोमीटर लम्बा यह मार्ग राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में बहु परिवहन संपर्क को मजबूत करेगा।

ईरान जंग का असरः भारतीय एयरलाइंस ने इंटरनेशनल फ्लाइट्स का किराया 15% बढ़ाया

नई दिल्ली, 10 मार्च। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव का असर अब आम यात्रियों की जेब पर भी पड़ने लगा है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत की कई एयरलाइंस ने इंटरनेशनल फ्लाइट टिकटों की कीमत में करीब 15% तक बढ़ोतरी कर दी है। समाचार एजेंसी Bloomberg की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य तनाव और Strait of Hormuz के प्रभावित होने से कच्चे तेल और जेट फ्यूल की कीमतों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। इसका असर अब वैश्विक एविएशन इंडस्ट्री पर भी साफ दिखाई देने लगा है।

रिपोर्ट के अनुसार भारत की कई एयरलाइंस कंपनियों ने कहा है कि अगर जेट फ्यूल यानी अळऋ (एविएशन टर्बाइन फ्यूल) की कीमतें इसी तरह बढ़ती रहीं तो आने वाले दिनों में टिकट की कीमतें और

बढ़ाई जा सकती हैं। एयरलाइंस कंपनियों का कहना है कि ऑपरेशन चलाने की लागत तेजी से बढ़ रही है और ऐसे में किराया बढ़ाने के अलावा उनके पास कोई विकल्प नहीं बचा है।

28 फरवरी से शुरू हुए ईरान-इजराइल संघर्ष के बाद तेल की सप्लाई चेन पर बड़ा असर पड़ा है। इसके चलते कच्चे तेल की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। वैश्विक बाजार में Brent Crude Oil की कीमत लगभग 93 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई है। वहीं इससे एक दिन पहले यह करीब 120 डॉलर प्रति बैरल तक चली गई थी।

इसी तरह कई बाजारों में जेट फ्यूल की कीमतें भी तेजी से बढ़ी हैं। युद्ध से पहले जेट फ्यूल लगभग 85-90 डॉलर प्रति बैरल था अब यह बढ़कर 150 से 200 डॉलर प्रति बैरल के बीच पहुंच गया है। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के कारण अब तक दुनियाभर में 40,000 से ज्यादा उड़ानें रद्द भी की जा चुकी हैं।

राजस्थान में अवैध शराब पर बड़ी कार्रवाई 1.74 लाख लीटर वॉश नष्ट, 556 गिरफ्तार, 21 वाहन जब्त

जयपुर। आबकारी आयुक्त शिवप्रसाद नकाते के निदेर्शानुसार प्रदेश में अवैध मदिरा निर्माण, भण्डारण, परिवहन एवं विक्रय पर रोक लगाने हेतु जारी विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत प्रभावी कार्यवाही करते हुए फरवरी माह में 1 लाख 74 हजार 137 लीटर वॉश नष्ट किया गया। इसी क्रम में विभिन्न निरोधात्मक कार्यवाही में 562 केस दर्ज करते हुए 556 को गिरफ्तार किया गया।

आबकारी आयुक्त के अनुसार प्रदेश में जारी विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा निर्माण, भण्डारण, परिवहन एवं विक्रय पर अंकुश लगाने के लिए प्रभावी कार्यवाही की गई। प्रदेश में फरवरी माह में 1 लाख 74 हजार 137 लीटर वॉश नष्ट किया गया। इसी क्रम में भारत निर्मित

विदेशी मदिरा 11815, देशी मदिरा 2583, अवैध मदिरा 3344, बीयर 809 बोतल सहित 2 किलोग्राम भांग एवं 600 लीटर स्प्रिट सीज किया गया।

अतिरिक्त आबकारी आयुक्त प्रशासन अनिल कुमार शर्मा एवं अतिरिक्त आबकारी आयुक्त पॉलिसी प्रदीप सिंह सांगावत ने बताया कि प्रदेश में विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत फरवरी माह में अवैध मदिरा निर्माण, भण्डारण, परिवहन एवं विक्रय में संलिप्तता पर राजस्थान आबकारी अधिनियम के तहत 562 केस दर्ज करते हुए 556 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। अवैध मदिरा परिवहन में प्रयुक्त 14 दुपहिया वाहन, 7 हल्के चार पहिया वाहन सहित 21 वाहनों को सीज किया गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- समान नागरिक संहिता लागू करने का समय आ गया, संसद फैसला करे

नई दिल्ली, 10 मार्च। सर्वोच्च न्यायालय ने एक बार फिर समान नागरिक संहिता लागू करने के विचार का समर्थन करते हुए कहा है कि विवाह, तलाक और उत्तराधिकार जैसे मामलों में अलग अलग समुदायों के लिए लागू पर्सनल लॉ के कारण उत्पन्न जटिलताओं को दूर करने में एक समान नागरिक कानून सहायक हो सकता है। उच्चतम न्यायालय ने यह टिप्पणी मुस्लिम पर्सनल लॉ के कुछ प्रावधानों को चुनौती देने वाली याचिका की सुनवाई के दौरान की।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ, जिसमें न्यायमूर्ति जयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति आर. महादेवन भी शामिल थे, इस मामले की सुनवाई कर रही थी। याचिका में आरोप लगाया गया है कि मुस्लिम पर्सनल लॉ के कुछ प्रावधान महिलाओं के साथ भेदभाव करते हैं। सुनवाई के दौरान पीठ ने

संकेत दिया कि निजी कानूनों में व्यापक न्यायिक हस्तक्षेप कई बार अनपेक्षित परिणाम पैदा कर सकता है। ऐसे मामलों में संसद द्वारा कानून बनाना अधिक उपयुक्त रास्ता हो सकता है। मुख्य न्यायाधीश सूर्या कांत ने कहा कि इस तरह की समस्याओं का समाधान समान नागरिक संहिता हो सकता है, जिससे सभी नागरिकों के लिए नागरिक मामलों में एक समान कानूनी ढांचा तैयार किया जा सके।

न्यायमूर्ति जयमाल्य बागची ने भी इस मुद्दे पर विस्तार से अपनी राय रखते हुए कहा कि न्यायपालिका ऐसे कानूनों को शून्य घोषित नहीं कर सकती, जब तक कि उसकी जगह कोई व्यापक वैकल्पिक व्यवस्था मौजूद न हो। उन्होंने कहा कि यदि पर्सनल लॉ को अचानक निरस्त कर दिया जाए तो कानूनी शून्यता की स्थिति पैदा हो सकती है। इसलिए बेहतर होगा कि इस विषय को विधायिका की समझदारी पर छोड़ा जाए, ताकि संसद समान नागरिक संहिता से जुड़ा व्यापक कानून बना सके।

न्यायमूर्ति बागची ने यह भी कहा कि पर्सनल लॉ से जुड़ी कुछ प्रथाओं को न्यायालय द्वारा सीधे अमान्य घोषित करना व्यवहारिक रूप से कठिन हो सकता है। उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि मुस्लिम पुरुष एकतरफा तलाक दे सकता है और यह विभिन्न प्रक्रियाओं के माध्यम से हो सकता है। ऐसे में क्या पर्सनल लॉ पर आधारित सभी बहुविवाह संबंधों को अचानक अमान्य घोषित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के मूलभूत बदलाव लाने के लिए विधायी शक्ति का प्रयोग आवश्यक है।

हम आपको बता दें कि यह टिप्पणी उस समय आई जब न्यायालय यह विचार कर रहा था कि मुस्लिम पर्सनल लॉ के कुछ पहलू महिलाओं के अधिकारों का उल्लंघन करते हैं या नहीं। न्यायालय के समक्ष दायर याचिका में मुस्लिम पर्सनल लॉ (शरियत) अनुप्रयोग अधिनियम 1937 के प्रावधानों को चुनौती दी गई है। याचिका में तर्क दिया गया है कि यह कानून उत्तराधिकार जैसे मामलों में मुस्लिम महिलाओं के साथ भेदभाव करता है।

मुख्य न्यायाधीश ने सुनवाई के दौरान यह भी सवाल उठाया कि यदि 1937 के इस कानून को निरस्त कर दिया जाए तो उसकी जगह कौन-सा कानून लागू होगा। उन्होंने कहा कि यदि इस अधिनियम को हटाया गया तो उत्पन्न होने वाले कानूनी शून्य की स्थिति का समाधान क्या होगा।

सरकारी स्कूल के खाने में गिरी छिपकली, 43 बच्चे बीमार; अस्पताल में मची अफरा-तफरी

तमिलनाडु, 10 मार्च। तमिलनाडु के Coimbatore जिले के एक सरकारी स्कूल में मिड-डे मील खाने के बाद बड़ी संख्या में बच्चे अचानक बीमार पड़ गए। बताया जा रहा है कि कुल 43 छात्र-छात्राएं–जिनमें 30 लड़के और 13 लड़कियां शामिल हैं–खाना खाने के कुछ ही देर बाद उल्टी, चक्कर और घबराहट जैसी शिकायत करने लगे। स्थिति को देखते हुए स्कूल प्रशासन ने तुरंत सभी बच्चों को नजदीकी सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों की टीम उनका इलाज कर रही है।

जानकारी के मुताबिक भोजन दूषित होने की वजह खाने में छिपकली गिरना हो सकती है। खाना खाने के तुरंत बाद बच्चों में फूड पॉइजनिंग जैसे लक्षण दिखाई दिए, जिसके बाद स्कूल में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

अस्पताल में भर्ती बच्चों की हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। डॉक्टरों की एक टीम लगातार उनकी स्वास्थ्य स्थिति पर नजर रखे हुए है। पांच डॉक्टरों की टीम इलाज में लगी है,सभी बच्चों को मेडिकल ऑब्जर्वेशन में रखा गया है। देर शाम तक निगरानी जारी रहने की संभावना है।

राहुल गांधी ने कभी घुटने नहीं टे-के', स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर बोलीं प्रियंका गांधी

नई दिल्ली। को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर बहस के दौरान कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी सत्ताधारी पक्ष के दबाव के बावजूद लगातार सच बोलते रहे हैं। सदन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में देश में केवल एक ही व्यक्ति है जिसने उनके (सत्ताधारी पक्ष के) सामने सिर नहीं झुकाया है। वह हैं विपक्ष के नेता। वे उनके द्वारा बोले गए सच को पचा नहीं पा रहे हैं। इस बीच, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने लोकसभा में अध्यक्ष को हटाने के प्रस्ताव का जवाब देते हुए विपक्ष पर अशांत होने और जनता की इच्छा के विरुद्ध जाने का आरोप लगाया।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

वैश्विक युद्धोन्माद के बीच विश्व शांति की पुकार

-ललित गर्ग

द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद विश्व ने एक ऐसी व्यवस्था बनाने की कोशिश की थी जिसमें शक्ति को नियमों और संस्थाओं के माध्यम से नियंत्रित किया जा सके। लगभग आठ दशकों तक यह वैश्विक व्यवस्था अनेक उतार-चढ़ावों के बावजूद किसी-न-किसी रूप में कायम रही। अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं, बहुपक्षीय समझौते, कूटनीतिक संवाद और साझा नियम-इन सबका उद्देश्य यही था कि दुनिया ह्यमत्स्य-न्यायह्न यानी शक्तिशाली द्वारा कमजोर को निगल जाने की प्रवृत्ति से बची रहे। इसी सोच के तहत युनाइटेट नेशनस्, वर्ल्ड ट्रेड ऑरगेनाइजेशन, वर्ल्ड हेल्थ ऑरगेनाइजेशन, यूनेस्को और अनेक अंतरराष्ट्रीय मंचों की स्थापना हुई। इन संस्थाओं ने विश्व राजनीति को पूरी तरह आदर्श नहीं बनाया, लेकिन उन्होंने कम-से-कम इतना अवश्य सुनिश्चित किया कि शक्ति के साथ नियम और नैतिकता का एक आवरण बना रहे। परंतु आज यह व्यवस्था अभूतपूर्व संकट के दौर से गुजर रही है।

विश्व राजनीति में एक नया रुझान तेजी से उभर रहा है जिसमें सहयोग,

संवाद और बहुपक्षीयता की जगह एकपक्षीय कार्रवाई, सैन्य शक्ति और त्वरित लाभ की मानसिकता को प्राथमिकता दी जा रही है। विशेष रूप से डोनाल्ड ट्रम्प के नेतृत्व में अमेरिका की नीतियों ने इस प्रवृत्ति को और तेज कर दिया है। जो देश कभी वैश्विक नियम-आधारित व्यवस्था का प्रमुख निमार्ता और संरक्षक था, वही अब अनेक अंतरराष्ट्रीय समझौतों और संस्थाओं से दूरी बनाता दिखाई देता है। ट्रंप के पहले कार्यकाल में ही यह संकेत मिल गया था जब अमेरिका ने पेरिस क्लाइमेंट अग्रीमेंटस, इरान न्यूक्लियर डील्स, विश्व स्वास्थ्य संगठन और यूनेस्को जैसी संस्थाओं से खुद को अलग करने की प्रक्रिया शुरू की। इन कदमों का संदेश यह था कि यदि किसी समझौते से तात्कालिक राष्ट्रीय हित प्रभावित होते हैं तो उसे छोड़ देना ही बेहतर है। इससे वैश्विक सहयोग की उस भावना को गहरा आघात पहुंचा, जो दशकों से अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की आधारशिला रही है।

आज स्थिति और भी जटिल हो गई है। दुनिया के कई हिस्सों में युद्ध और संघर्ष सामान्य घटनाओं की तरह स्वीकार किए जाने लगे हैं। चार वर्षों से जारी रुस-यूक्रेन युद्ध और दो वर्षों से चल रहा गाजा युद्ध इसका सबसे दुखद एवं विडम्बनापूर्ण उदाहरण हैं। इन संघर्षों ने लाखों लोगों के जीवन को संकट में डाल दिया है, शहरों को खंडहर में बदल दिया है और वैश्विक अर्थव्यवस्था को अस्थिर बना दिया है। युद्ध की सबसे बड़ी विडंबना यही है कि वह किसी स्थायी समाधान की ओर नहीं ले जाता। युद्ध में विजय का दावा करने वाले भी अंततः विनाश और पीड़ा के साथ ही जीते हैं। इतिहास गवाह है कि युद्ध ने कभी भी मानवता को गौरव नहीं दिया; उसने केवल तबाही, भय और अस्थिरता को जन्म दिया है। युद्ध के परिणामस्वरूप पर्यावरण का भारी नुकसान होता है, आर्थिक संसाधन नष्ट हो जाते हैं, महंगाई बढ़ती है, रोजगार के अवसर घटते हैं और समाज में असुरक्षा तथा अविश्वास की भावना गहरी हो जाती है। आज विश्व के सामने सबसे बड़ी चिंता यह है कि युद्ध और हिंसा धीरे-धीरे सामान्यीकृत होते जा रहे हैं। अनेक बार युद्ध का उद्देश्य वास्तविक समाधान नहीं बल्कि घरेलू राजनीति में छवि निर्माण, शक्ति प्रदर्शन या आंतरिक संकटों से ध्यान हटाना बन जाता है। ऐसी परिस्थितियों में वैश्विक नैतिकता और अंतरराष्ट्रीय कानून दोनों कमजोर पड़ते हैं। यदि शक्तिशाली देश ही नियमों को तोड़ने लगें तो पूरी व्यवस्था की विश्वसनीयता खतरे में पड़ जाती है। मानवाधिकारों के प्रश्न पर भी दोहरे मानदंड दिखाई देते हैं। किसी एक देश की आलोचना की जाती है, लेकिन उसी तरह के कृत्यों पर दूसरे देशों के संदर्भ में चुप्पी साध ली जाती है। इससे मानवाधिकार एक सार्वभौमिक मूल्य के बजाय भू-राजनीतिक बहस का उपकरण बन जाते हैं। यदि विश्व समुदाय वास्तव में मानवता की रक्षा करना चाहता है तो उसे हर देश के लिए समान मानदंड अपनाने होंगे। इन परिस्थितियों में यह प्रश्न अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है कि क्या दुनिया फिर से उस दौर की ओर बढ़ रही है जहां ह्लजिसकी लाठी उसकी भैंसह्व ही अंतरराष्ट्रीय राजनीति का नियम बन जाएगा। यदि ऐसा हुआ तो यह केवल छोटे देशों के लिए ही नहीं बल्कि पूरी मानव सभ्यता के लिए गंभीर खतरा होगा। भारत का ऐतिहासिक दृष्टिकोण इस संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण है। स्वतंत्रता के बाद से भारत ने संप्रभुता, गैर-हस्तक्षेप और बहुपक्षीय सहयोग की नीति का समर्थन किया है। भारत का यह विश्वास रहा है कि वैश्विक समस्याओं का समाधान केवल सामूहिक प्रयासों से ही संभव है। यही कारण है कि भारत ने हमेशा शांति, संवाद और कूटनीति को प्राथमिकता दी है। आज जब विश्व व्यवस्था डगमगा रही है, तब भारत की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत न केवल एक उभरती आर्थिक शक्ति है बल्कि एक ऐसी सभ्यता का प्रतिनिधि भी है जिसने सदियों से अहिंसा, सह-अस्तित्व और मानवता के मूल्यों को महत्व दिया है। महात्मा गांधी की अहिंसा की परंपरा और भारत की आध्यात्मिक विरासत आज भी विश्व को दिशा दे सकती है।

इसी संदर्भ में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से अपेक्षा की जाती है कि वे अपने बढ़ते वैश्विक प्रभाव का उपयोग विश्व शांति की दिशा में और अधिक सक्रिय रूप से करें। पिछले वर्षों में भारत ने कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर शांति, सहयोग और विकास की बात को प्रमुखता से उठाया है। अब समय आ गया है कि इस पहल को और व्यापक बनाया जाए। भारत को चाहिए कि वह वैश्विक स्तर पर युद्धविराम, संवाद और कूटनीतिक समाधान के लिए पहल करे। रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष हो या पश्चिम एशिया की त्रासदी-इन सबके समाधान के लिए संवाद की नई पहल आवश्यक है। भारत यदि मध्यस्थता और शांति प्रयासों में सक्रिय भूमिका निभाए तो वह विश्व राजनीति में एक संतुलनकारी शक्ति बन सकता है। इसके साथ ही परमाणु हथियारों और शस्त्रों की होड़ पर भी गंभीर चिंतन आवश्यक है। आज दुनिया में जिस गति से आधुनिक हथियारों का भंडार बढ़ रहा है, वह मानवता के लिए गंभीर खतरा है। किसी भी क्षण किसी राष्ट्र की नासमझी या राजनीतिक महत्वाकांक्षा पूरी दुनिया को विनाश के कगार पर ला सकती है। इसलिए निशस्त्रीकरण और हथियार नियंत्रण की दिशा में नए अंतरराष्ट्रीय प्रयासों की आवश्यकता है।

यदि विश्व समुदाय मिलकर युद्ध के स्थान पर संवाद और सहयोग को अपनाए तो न केवल वैश्विक स्थिरता कायम होगी बल्कि मानवता विकास और समृद्धि के नए मानक भी स्थापित कर सकेगी। यही आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है और यही भविष्य की सबसे बड़ी आशा भी। आज जब विश्व युद्ध, हिंसा और शक्ति-प्रतिस्पर्धा के तनाव से जूझ रहा है, तब दुनिया की निगाहें स्वाभाविक रूप से भारत की ओर उठती हैं। भारत वह धरती है जहाँ शांति, सह-अस्तित्व और अहिंसा केवल राजनीतिक नीतियाँ नहीं बल्कि जीवन-दर्शन के रूप में विकसित हुए हैं। इसी भूमि से ह्लवसुधैव कुटुम्बकम्ह्व का वह महान मंत्र निकला जिसने संपूर्ण मानवता को एक परिवार के रूप में देखने की दृष्टि दी। महात्मा गांधी ने इसी भारतीय परंपरा को आधुनिक युग में अहिंसा की शक्तिशाली राजनीतिक और नैतिक शक्ति के रूप में स्थापित किया और दुनिया को बताया कि संघर्षों का समाधान हिंसा से नहीं बल्कि सत्य, करुणा और संवाद से संभव है। भारत की आध्यात्मिक विरासत-जिसमें महावीर और गौतम बुद्ध जैसे महापुरुषों की शिक्षाएँ समाहित हैं, मानवता को यह संदेश देती है कि शांति ही स्थायी विकास और वैश्विक संतुलन का आधार है। आज की अस्थिर वैश्विक परिस्थितियों में भारत की यही अहिंसात्मक दृष्टि, उसकी आध्यात्मिक शक्ति और सर्वहित की भावना विश्व को एक नई दिशा दे सकती है तथा मानवता को संघर्ष की अंधी दौड़ से निकालकर सहयोग, सद्भाव और स्थायी शांति के मार्ग पर अग्रसर कर सकती है।

चौकिया धाम : जहाँ चौकी पर प्रकट हुई माँ शीतला

-सुरेश गांधी

पूर्वांचल की आस्था, लोकविश्वास और प्राचीन परंपराओं का जब भी उल्लेख होता है, तो जौनपुर स्थित माँ शीतला चौकिया देवी मंदिर का नाम श्रद्धा से लिया जाता है। यह केवल एक मंदिर नहीं, बल्कि सदियों से प्रवाहित होती उस सांस्कृतिक धारा का केंद्र है, जिसमें शिव और शक्ति की आराधना, लोकमान्यताएँ, पौराणिक कथाएँ और जनभावनाएँ एक साथ गुंथी हुई दिखाई देती हैं। जौनपुर शहर से कुछ दूरी पर स्थित यह सिद्धपीठ पूर्वांचल के करोड़ों श्रद्धालुओं के लिए आस्था का दीपस्तंभ है। मान्यता है कि यहाँ माँ शीतला के दर्शन किए बिना विंध्याचल धाम की यात्रा अधूरी मानी जाती है। यही कारण है कि चैत्र और शारदीय नवरात्र में लाखों श्रद्धालु पहले चौकिया धाम में माथा टेकते हैं और फिर विंध्याचल की ओर प्रस्थान करते हैं।

इस धाम की विशेषता केवल इसकी पौराणिकता ही नहीं, बल्कि इसके पीछे छिपी ऐतिहासिक कथाएँ, लोकगाथाएँ और आध्यात्मिक अनुभूतियाँ भी हैं, जो इसे उत्तर भारत के प्रमुख शक्ति केंद्रों में स्थान दिलाती हैं। लोकमान्यता के अनुसार इस मंदिर का नाम भी अपने आप में एक कहानी समेटे हुए है। कहा जाता है कि सबसे पहले देवी की मूर्ति किसी भव्य मंदिर में नहीं, बल्कि एक साधारण चबूतरे या चौकी पर स्थापित की गई थी। ग्रामीण और स्थानीय लोग उस चौकी पर बैठकर देवी की पूजा-अर्चना करते थे। धीरे-धीरे उस चौकी का महत्व बढ़ता गया और लोगों ने उसे देवी का स्थायी आसन मान लिया। समय के साथ वही चौकी चौकिया कहलाने लगी और देवी का नाम माँ शीतला चौकिया देवी पड़ गया। यह नाम केवल एक स्थान का परिचय नहीं, बल्कि उस लोकसंस्कृति का प्रतीक है जिसमें साधारण से साधारण स्थल भी आस्था के कारण तीर्थ बन जाता है।

चौकिया धाम से जुड़ी एक अत्यंत रोचक और लोकप्रिय लोककथा भी प्रचलित है। मंदिर के प्रबंधकों और स्थानीय लोगों के अनुसार कई सौ वर्ष पहले देवचंद माली नामक व्यक्ति को एक रात सपना आया। उस सपने में देवी ने उसे बताया कि उनकी मूर्ति पास के एक कुएं में स्थित है और उसे निकालकर स्थापित किया जाए। सपने से जागने के बाद देवचंद माली ने लोगों को यह बात बताई और सभी मिलकर उस कुएं तक पहुंचे। जब कुएं की खुदाई की गई तो उसमें से देवी की मूर्ति प्राप्त हुई। देवचंद माली ने उस मूर्ति को एक चौकी पर स्थापित किया और पूजा-अर्चना प्रारंभ कर दी। धीरे-धीरे यह स्थान प्रसिद्ध होने लगा और बाद में उसी चौकी को मंदिर का रूप दे दिया गया। आज वही स्थल भव्य चौकिया शीतला धाम के रूप में स्थापित है।

प्राचीनता की गवाही देता चौकिया धाम

जौनपुर शहर से लगभग 6 किमी की दूरी पर स्थित चौकिया धाम का इतिहास अत्यंत प्राचीन माना जाता है। यह स्थल अनादिकाल से शिव और शक्ति की साधना का प्रमुख केंद्र रहा है। भारतीय परंपरा में शक्ति पूजा का महत्व अत्यधिक रहा है, और इसी परंपरा की एक सशक्त अभिव्यक्ति के रूप में चौकिया धाम का उद्भव हुआ। इतिहासकारों के अनुसार प्राचीन काल में जौनपुर क्षेत्र में अहीर शासकों का शासन था। जौनपुर का पहला अहीर शासक

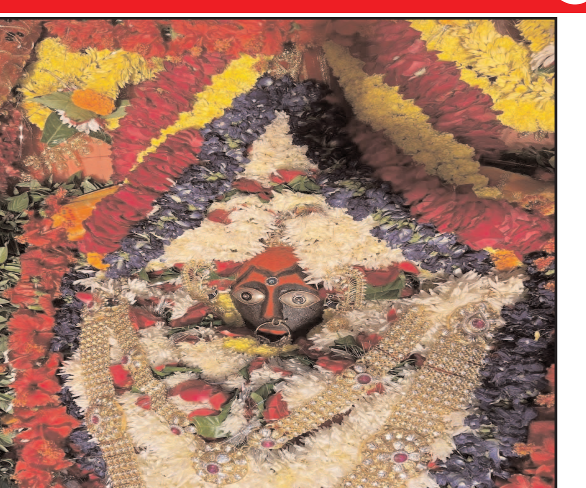

हीरा चंद्र यादव को माना जाता है। उस समय यह क्षेत्र अनेक जनजातीय और स्थानीय समुदायों की सांस्कृतिक परंपराओं का संगम था। माना जाता है कि चौकिया देवी का मंदिर किसी समय यादवों की कुलदेवी के रूप में स्थापित किया गया होगा, किंतु इतिहास और लोकपरंपराओं के आधार पर यह संभावना अधिक प्रबल मानी जाती है कि इस मंदिर का निर्माण भर समुदाय द्वारा कराया गया था। भर समुदाय प्राचीन भारत में अनार्य परंपरा से जुड़ा माना जाता है, और अनार्य परंपराओं में शिव तथा शक्ति की उपासना प्रमुख रूप से की जाती थी। यही कारण है कि जौनपुर क्षेत्र में भरों की उपस्थिति और उनकी धार्मिक प्रवृत्तियों के आधार पर चौकिया देवी मंदिर का निर्माण उनसे जोड़ा जाता है।

शांति और शीतलता की देवी

भारतीय संस्कृति में शीतला माता को रोगों से रक्षा करने वाली और जीवन में शीतलता प्रदान करने वाली देवी माना जाता है। पौराणिक ग्रंथों में भी उनकी महिमा का वर्णन मिलता है। मार्कण्डेय पुराण में शीतला देवी के संदर्भ में प्रसिद्ध श्लोक मिलता है : शीतले तू जगन्नमाता, शीतले तू जगत्पिता।

शीतले तू जगद्धात्री, शीतलाय नमो नमः॥

इस श्लोक का अर्थ है कि शीतला देवी ही जगत की माता, पिता और धात्री हैं, अर्थात समस्त सृष्टि की पालनकर्ता हैं। इसी कारण उन्हें आनंददायिनी और शीतलता की प्रतीक देवी माना जाता है। उनके दर्शन मात्र से मानसिक शांति और आत्मिक संतोष प्राप्त होता है।

इब्राहिम शाह शर्की और मंदिर की कथा

चौकिया धाम की ऐतिहासिकता से जुड़ी एक और कथा जौनपुर के शर्की काल से जुड़ी हुई है। कहा जाता है कि जब जौनपुर के शासक इब्राहिम शाह शर्की ने गोमती नदी के किनारे स्थित विजय मंदिर को ध्वस्त करने का प्रयास किया, तो कुछ हिंदू भक्तों ने वहां स्थापित शीतला देवी की मूर्ति को सुरक्षित स्थान पर ले जाकर छिपा दिया। बताया जाता है कि वही मूर्ति बाद में देवचंदपुर क्षेत्र में स्थापित की गई, जो आज चौकिया धाम के रूप में प्रसिद्ध है। इस घटना ने इस स्थान की पवित्रता और महत्व को और भी बढ़ा दिया।

तालाब और भर समुदाय की परंपरा

चौकिया धाम के पीछे स्थित विशाल तालाब भी इस मंदिर की ऐतिहासिकता का प्रमाण माना जाता है। इतिहासकारों के अनुसार भर समुदाय तालाबों के निर्माण में विशेष रुचि रखता था। इसी कारण यह माना जाता है कि मंदिर के पास स्थित यह तालाब भी उन्हीं के द्वारा बनवाया गया होगा। आज भी श्रद्धालु मंदिर में दर्शन करने से पहले इस तालाब में स्नान करते हैं और फिर माता के दरबार में प्रवेश करते हैं।

पूर्वांचल की आस्था का प्रमुख केंद्र

चौकिया शीतला धाम केवल जौनपुर का ही नहीं, बल्कि पूरे पूर्वांचल का प्रमुख धार्मिक केंद्र है। गोरखपुर, देवरिया, बलिया, मऊ, आजमगढ़, गाजीपुर, अंबेडकरनगर और अयोध्या सहित अनेक जिलों से श्रद्धालु यहां आते हैं। मंदिर परिसर में वर्षभर पूजा-अर्चना, विवाह, मुंडन और जनेऊ संस्कार जैसे धार्मिक आयोजन होते रहते हैं।

नवरात्र में उमड़ता आस्था का सैलाब

चैत्र और शारदीय नवरात्र के समय इस मंदिर की भव्यता देखते ही बनती है। इन दिनों मंदिर परिसर में लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ती है। सुबह से लेकर देर रात तक दर्शन का सिलसिला चलता रहता है। भक्तजन माता को कड़ाही, चुनरी, नारियल और प्रसाद अर्पित करते हैं।

मन्नत का धागा और आस्था का विश्वास

चौकिया धाम की एक विशेष परंपरा है मन्नत का धागा बांधना। भक्तजन मंदिर में दर्शन के बाद एक धागा बांधते हैं और माता से अपनी मनोकामना पूरी होने की प्रार्थना करते हैं। जब उनकी मन्नत पूरी हो जाती है तो वे पुनः मंदिर आकर उस धागे को खोलते हैं और माता को प्रसाद चढ़ाते हैं। यह परंपरा इस मंदिर की पहचान बन चुकी है।

सोहारी और लप्सी का प्रसाद

यहां माता को विशेष रूप से सोहारी और लप्सी का प्रसाद चढ़ाने की परंपरा है। माना जाता है कि यह प्रसाद माता को अत्यंत प्रिय है और इसे अर्पित करने से भक्तों की मनोकामनाएं शीघ्र पूर्ण होती हैं।

6 करोड़ की लागत से हो रहा जीर्णोद्धार

समय के साथ मंदिर की लोकप्रियता बढ़ती गई और श्रद्धालुओं की संख्या में भी लगातार वृद्धि होती रही।

इसी को देखते हुए अब चौकिया धाम का व्यापक जीर्णोद्धार किया जा रहा है। करीब 6 करोड़ रुपये की लागत से मंदिर परिसर को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जा रहा है। इसमें श्रद्धालुओं के लिए बेहतर व्यवस्था, मार्ग, प्रकाश व्यवस्था और अन्य सुविधाएं विकसित की जा रही हैं।

आस्था, इतिहास और संस्कृति का अद्भुत संगम

चौकिया शीतला धाम केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि आस्था, इतिहास और संस्कृति का अद्भुत संगम है। यहां की लोककथाएं, पौराणिक संदर्भ, ऐतिहासिक घटनाएं और भक्तों का अटूट विश्वास इस स्थल को विशेष बनाते हैं। सदियों से यह मंदिर लोगों को मानसिक शांति, आध्यात्मिक शक्ति और जीवन में शीतलता प्रदान करता आया है। आज भी जब कोई श्रद्धालु चौकिया धाम में प्रवेश करता है, तो उसे ऐसा प्रतीत होता है मानो वह केवल मंदिर में नहीं, बल्कि उस आध्यात्मिक परंपरा में प्रवेश कर रहा है जो हजारों वर्षों से भारतीय संस्कृति की धड़कनों में बसती आई है।

पूर्वांचल की धार्मिक आस्था में जौनपुर स्थित माँ शीतला चौकिया देवी मंदिर का विशेष स्थान है। यह सिद्धपीठ केवल एक प्राचीन मंदिर ही नहीं, बल्कि श्रद्धा, लोकविश्वास और पौराणिक परंपराओं का जीवंत केंद्र माना जाता है। जनश्रुति के अनुसार यहाँ विराजमान माँ शीतला को विंध्याचल धाम में विराजने वाली माँ विंध्यवासिनी की छोटी बहन माना जाता है। इसी कारण पूर्वांचल के श्रद्धालुओं के बीच यह परंपरा आज भी जीवित है कि विंध्याचल जाने से पहले चौकिया धाम में माता शीतला के दर्शन किए जाएँ। जौनपुर शहर से कुछ दूरी पर स्थित यह धाम सदियों से लोगों की आस्था का आधार बना हुआ है। मान्यता है कि यहाँ सच्चे मन से मांगी गई मुराद अवश्य पूरी होती है। मंदिर परिसर में मन्नत का धागा बाँधने की परंपरा भी इसी विश्वास की प्रतीक है। चैत्र और शारदीय नवरात्र के अवसर पर यहाँ लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ती है, जब पूरा चौकिया धाम भक्ति, श्रद्धा और उत्साह से आलोकित हो उठता है। यहाँ की प्राचीन कथाएँ, देवी के प्राकट्य की लोकगाथाएँ और भक्तों की अटूट श्रद्धा इस धाम को पूर्वांचल के प्रमुख शक्ति स्थलों में विशिष्ट पहचान प्रदान करती हैं

पश्चिम एशिया युद्ध के बीच भारत की रसोई गैस सुरक्षा पर बड़ा संकट

-अजय कुमार

पश्चिम एशिया में भड़का युद्ध अब केवल भू-राजनीति का सवाल नहीं रह गया है, बल्कि यह सीधे भारत की रसोई और अर्थव्यवस्था तक पहुंच चुका है। अमेरिका-ईरान संघर्ष और उसके बाद स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में पैदा हुई अस्थिरता ने भारत की ऊर्जा सुरक्षा की कमजोरियों को उजागर कर दिया है। इसी खतरे को देखते हुए केंद्र सरकार ने रसोई गैस यानी एलपीजी की आपूर्ति बनाए रखने के लिए असाधारण कदम उठाए हैं। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने तेल रिफाइनरियों को एलपीजी उत्पादन बढ़ाने के निर्देश दिए हैं और अतिरिक्त उत्पादन को घरेलू खपत के लिए आरक्षित करने का फैसला किया है। यह कदम बताता है कि संकट की स्थिति में सरकार की पहली प्राथमिकता आम नागरिकों की रसोई को सुरक्षित रखना है। भारत की ऊर्जा संरचना का एक बड़ा सच यह है कि देश अपनी जरूरतों के मुकाबले एलपीजी का पर्याप्त उत्पादन नहीं करता। सरकारी आंकड़ों के अनुसार 2024-25 में भारत में कुल 31.3 मिलियन टन एलपीजी की खपत हुई, जबकि घरेलू उत्पादन केवल 12.8 मिलियन टन रहा। यानी देश की कुल जरूरत का लगभग 60 प्रतिशत से अधिक हिस्सा आयात के सहारे पूरा होता है। यही वजह है कि जब भी खाड़ी क्षेत्र में अस्थिरता बढ़ती है तो उसका असर सीधे भारत की ऊर्जा आपूर्ति पर पड़ता है।भारत के लिए यह निर्भरता इसलिए भी जोखिमपूर्ण है क्योंकि एलपीजी का बड़ा हिस्सा खाड़ी देशों से आता है। अनुमान है कि भारत के एलपीजी आयात का लगभग 85-90 प्रतिशत हिस्सा सऊदी अरब, कतर, कुवैत और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों से आता है। इन सभी देशों से आने वाली ऊर्जा आपूर्ति का मुख्य मार्ग स्ट्रेट ऑफ होर्मुज है, जो विश्व ऊर्जा व्यापार की सबसे महत्वपूर्ण समुद्री गलियों में से एक है। जब यह मार्ग युद्ध या तनाव के कारण बाधित होता है तो पूरी वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित हो जाती है।मौजूदा संघर्ष में भी यही स्थिति पैदा हुई है। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते सैन्य तनाव के कारण इस समुद्री मार्ग में जहाजों की आवाजाही प्रभावित हुई है। इससे वैश्विक तेल और गैस बाजार में अनिश्चितता बढ़ी है और कई देशों ने अपनी ऊर्जा सुरक्षा को लेकर आपात योजनाएं बनानी शुरू कर दी हैं। भारत ने भी इसी पृष्ठभूमि में एलपीजी की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए आपातकालीन प्रावधानों का सहारा लिया है।

सरकार ने आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए गैस की आपूर्ति को प्राथमिकता के आधार पर नियंत्रित करने का फैसला किया है। इसके तहत घरेलू रसोई गैस की सप्लाई को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। साथ ही पाइप्ड नेचुरल गैस यानी पीएनजी और वाहनों के लिए सीएनजी की आपूर्ति को भी 100 प्रतिशत सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा उर्वरक संयंत्रों को लगभग 70 प्रतिशत और उद्योगों को लगभग 80 प्रतिशत गैस उपलब्ध कराने की व्यवस्था तय की गई है।इन कदमों का उद्देश्य स्पष्ट है अगर ऊर्जा संकट गहराता है तो सबसे पहले घरों और परिवहन क्षेत्र को गैस मिलेगी, उसके बाद उद्योगों और अन्य क्षेत्रों को। सरकार ने एलपीजी की जमाखोरी और कालाबाजारी रोकने के लिए 25 दिन का इंटर-बुकिंग नियम भी लागू किया है, ताकि कोई भी उपभोक्ता तय समय से पहले सिलेंडर बुक न कर सके।लेकिन इस नीति का असर व्यावसायिक क्षेत्रों पर दिखने लगा है। देश के कई शहरों में कमर्शियल गैस सिलेंडरों की आपूर्ति घटने लगी है। होटल और रेस्टोरेंट उद्योग से जुड़े संगठनों का कहना है कि कई स्थानों पर कमर्शियल गैस की सप्लाई 10 से 20 प्रतिशत तक कम हो गई है। इससे खासतौर पर छोटे और मध्यम आकार के होटल-रेस्टोरेंट पर बड़ा दबाव पड़ा है, जो रोज मिलने वाली गैस सप्लाई पर ही निर्भर रहते हैं।कुछ शहरों में स्थिति इतनी गंभीर हो गई है कि होटल संगठनों ने कारोबार बंद होने की चेतावनी तक दे दी है। उनका कहना है कि अगर कमर्शियल गैस सिलेंडरों की नियमित आपूर्ति नहीं होती तो कई रेस्टोरेंट अगले कुछ दिनों में बंद होने की स्थिति में पहुंच सकते हैं। इसका असर केवल कारोबारियों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि उन लाखों कर्मचारियों और ग्राहकों पर भी पड़ेगा जो रोजमर्रा के भोजन के लिए इन प्रतिष्ठानों पर निर्भर हैं।सरकार ने इस समस्या को देखते हुए तेल विपणन कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों की एक समिति भी बनाई है। यह समिति होटल, रेस्टोरेंट और अन्य उद्योगों की गैस जरूरतों की समीक्षा करेगी और तय करेगी कि सीमित संसाधनों के बीच इन क्षेत्रों को कितनी आपूर्ति दी जा सकती है।

दरअसल यह संकट केवल तत्कालीन आपूर्ति का नहीं, बल्कि भारत की दीर्घकालिक ऊर्जा रणनीति का भी सवाल है। पिछले एक दशक में देश में एलपीजी की खपत तेजी से बढ़ी है। उज्ज्वला योजना और शहरीकरण के कारण करोड़ों नए परिवार गैस पर निर्भर हो गए हैं। यही वजह है कि एलपीजी की मांग लगातार बढ़ रही है और आयात पर निर्भरता भी बढ़ती जा रही है।ऊर्जा विशेषज्ञों का मानना है कि भारत को भविष्य में ऐसे संकटों से बचने के लिए कई स्तरों पर तैयारी करनी होगी। सबसे पहला कदम घरेलू उत्पादन बढ़ाने का है। इसके लिए नई रिफाइनरियों, गैस प्रोसेसिंग संयंत्रों और पेट्रोकेमिकल ढांचे में निवेश बढ़ाना होगा। दूसरा महत्वपूर्ण कदम ऊर्जा स्त्रोतों में विविधता लाना है, ताकि खाड़ी क्षेत्र पर अत्यधिक निर्भरता कम हो सके।इसके अलावा एलपीजी के रणनीतिक भंडार तैयार करने की जरूरत भी लंबे समय से महसूस की जा रही है। जिस तरह भारत ने कच्चे तेल के लिए रणनीतिक भंडारण बनाए हैं, उसी तरह एलपीजी के लिए भी बड़े भंडार तैयार किए जाएं तो संकट की स्थिति में कुछ महीनों तक घरेलू जरूरतों को आसानी से पूरा किया जा सकता है।पश्चिम एशिया का मौजूदा युद्ध शायद कुछ समय बाद खत्म हो जाए, लेकिन इसने भारत को एक अहम सबक जरूर दिया है। ऊर्जा सुरक्षा केवल आर्थिक नीति का विषय नहीं है, बल्कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक स्थिरता से भी जुड़ा सवाल है। जब वैश्विक भू-राजनीतिक संकट पैदा होता है तो उसका असर सबसे पहले आम नागरिक की रसोई पर पड़ता है। भारत के सामने चुनौती यही है कि वह इस संकट को चेतावनी के रूप में ले और अपनी ऊर्जा नीति को अधिक मजबूत और आत्मनिर्भर बनाए। क्योंकि जब तक देश अपनी बढ़ती ऊर्जा जरूरतों के लिए बाहरी स्त्रोतों पर निर्भर रहेगा, तब तक दुनिया के किसी भी कोने में भड़की आग उसकी रसोई तक पहुंचती रहेगी।

हवा में कैद सांसें, प्रदूषण महामारी से ज्यादा हानिकारक

संजीव ठाकुर

पर्यावरण प्रदूषण का चौतरफा प्रहार आज मानव सभ्यता के अस्तित्व को चुनौती दे रहा है। प्रकृति के सुगठित संतुलन में जब अपशिष्ट तत्व अनियंत्रित रूप से मिलते हैं, तब वातावरण प्रदूषित होकर जीवन के लिए विष बन जाता है। प्रदूषण के कई आयाम हैं वायु, जल, भूमि, ध्वनि किन्तु वायु प्रदूषण इन सभी में सर्वाधिक घातक और संहारक सिद्ध हुआ है। यह मानव जीवन की सबसे मूलभूत आवश्यकता साँस को ही संकटग्रस्त कर रहा है। आकाश में तैरते सूक्ष्म प्रदूषण-कण, उद्योगों से निकलती जहरीली गैसें, वाहनों की धुएँ की लकीरें और मशीनों की निरंतर तपन इन सबने मिलकर हवा को एक अदृश्य हथियार बना दिया है, जो हर क्षण हमारे फेफड़ों को चीरने का काम कर रहा है। अब स्थिति इतनी भयावह हो गई है कि स्वच्छ हवा में सांस लेना भी एक दुर्लभ सौभाग्य लगने लगा है।वायु प्रदूषण केवल आँकड़ों का विषय नहीं, बल्कि अस्तित्व का संकट है। विश्व-स्तर पर हुए वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि भारत में प्रदूषित वायु के कारण जीवन प्रत्याशा सामान्यतः 10 से 15 वर्ष तक घट सकती है। हमारा देश विश्व के सर्वाधिक प्रदूषित देशों में गिना जा रहा है, जहाँ लगभग 40% जनसंख्या विषाक्त वायु की गिरफ्त में है। महानगर तो जैसे धुएँ की कैद बन चुके हैं–दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, लखनऊ, कानपुर, वाराणसी, रायपुर, इंदौर और अनेक औद्योगिक नगर प्रदूषण के शिखर पर हैं, जहाँ बचपन, बुढ़ापा और रोगग्रस्त शरीर मृत्यु के सबसे बड़े जोखिम पर खड़े हैं। अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और फेफड़ों से जुड़ी बीमारियाँ रोजगार, शिक्षा और सामान्य पारिवारिक जीवन की गति को बाधित कर रही हैं। स्मॉग की मोटी चादर अब सुबह की ओस या शाम की धूप से अधिक दिखाई देने लगी है। सूर्य भी धुएँ की कोहरे में अपनी किरणों को खो बैठा है।

कोविड-19 महामारी के दौरान स्थिति और भी भयावह रूप में सामने आई। फेफड़ों की शक्ति कमजोर कर चुकी प्रदूषित हवा ने वायरस के प्रहार को और घातक बना दिया। जिन लोगों के फेफड़े प्रदूषण से पहले ही क्षतिग्रस्त थे, वे महामारी की चपेट में अधिक संख्या में जाने लगे। यह तथ्य एक भयानक चेतावनी की तरह है–भविष्य में किसी भी महामारी का सबसे बड़ा सहयोगी प्रदूषित हवा बन सकती है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार भारत की हवा में प्रदूषक सूक्ष्म कणों (ढट 2.5) की उपस्थिति स्वस्थ मानक से लगभग सात गुना अधिक पाई गई है। यह स्थिति मानव सभ्यता के लिए अलार्म बेल है क्योंकि यह प्रदूषण समान रूप से सबको अपने वश में लेता है; चाहे अमीर हो या गरीब, शहरी हो या ग्रामीण, वृद्ध हो या नवजात। विषैली हवा सीमाओं और वर्गों के बीच कोई भेदभाव नहीं करती वह सीधा फेफड़ों पर हमला करती है। प्रदूषण का विस्तार केवल वैज्ञानिक तथ्य नहीं, बल्कि सामाजिक-सांस्कृतिक त्रासदी है, क्योंकि मनुष्य का प्राकृतिक संसाधनों पर निर्भर रहना चिरकालीन सत्य है। प्रकृति हमारी माता है, और हमने उसके असीम संसाधनों का उपयोग करते समय उसकी मयार्दा को भुला दिया है। जंगल कटे, नदियाँ दम तोड़ने लगीं, नदियों की शुद्धाँश रेत बन कर बिकने लगी और हवा में जीवन की सुगंध स्थानांतरित होकर धुएँ की कड़वाहट में बदल गई। आज आकाश में तारे नहीं, धूल-कण चमकते हैं; हवा में फूलों की महक नहीं, रसायनों की चुभन है। यह सिर्फ पर्यावरण का दुरुपयोग नहीं, बल्कि मानव संवेदनाओं की हत्या है।औद्योगिक विस्तार, वाहनों की अनियंत्रित वृद्धि, कोयला, पेट्रोल-डीजल का अत्यधिक दहन, एयर-कंडिशनिंग, शहरी निमार्णों की असीम दौड़, खेतों में पराली का जलना, उर्वरकों-कीटनाशकों का भयानक प्रयोगये सभी कारण मिलकर प्रदूषण की विस्फोटक स्थिति को जन्म दे रहे हैं। समाधान के नाम पर कानून हैं, पर क्रियान्वयन अधूरा। योजनाएँ हैं, पर जमीन पर प्रतिबद्धता नहीं। विकास की अंधी दौड़ में हम यह भूल गए कि बिना स्वच्छ हवा के कोई भविष्य संभव नहीं।

आज सबसे बड़ी आवश्यकता है वृक्षारोपण का राष्ट्रीय आंदोलन। जितने उद्योग हम खड़े करते हैं, उससे अनेक गुना अधिक संख्या में वृक्ष लगाना ही हमारा कर्तव्य होना चाहिए। जंगलों और हरियाली का संरक्षण देश की जीवनरेखा है। पेड़ केवल हरियाली नहीं, जीवन का कलेवर हैं–वे हवा को शुद्ध करते हैं, धरती के ताप को नियंत्रित रखते हैं, वर्षा चक्र को संतुलित करते हैं और जीवन में ऑक्सीजन का आशीर्वाद देते हैं। यदि हम वृक्षों को खो देंगे, तो तकनीक की कोई भी उन्नति हमें जीवन नहीं दे सकती। साथ ही, प्रदूषण नियंत्रण के लिए उद्योगों और वाहनों पर कठोर नियम लागू करने, वैकल्पिक ऊर्जा (सौर, पवन, जल) को व्यापक स्तर पर अपनाने, सार्वजनिक परिवहन को सशक्त बनाने, और दहन के सभी अनियंत्रित स्त्रोतों पर प्रतिबंध लगाने की आवश्यकता है।

वायु प्रदूषण का सबसे घातक प्रभाव नौनिहालों और बुजुर्गों पर पड़ता है। बच्चे जब दुनिया में आते हैं, तो उनके पहले उपहार के रूप में प्रदूषित हवा फेफड़ों को कमजोर कर देती है, और बुजुर्ग जीवन की अंतिम साँसें भी कठिनाई से लेते हैं। यह विडम्बना है कि जीवन की शुरूआत और अंत दोनों प्रदूषण की पीड़ा से घिरे हैं।

अब वह समय आ चुका है जब हमें वायु प्रदूषण के विरुद्ध युद्ध स्तर पर लड़ाई लड़नी होगी। यदि हम अभी नहीं जागे, तो भविष्य का इतिहास हमें क्षमा नहीं करेगा। कोरोना की महामारी ने हमें स्वच्छ हवा के मूल्य को समझाया है–अब आवश्यकता है कि हम इस मूल्य को बचाने की जिद करें। हवा का अधिकार हर नागरिक का मौलिक अधिकार है और इसे सुरक्षित रखना सरकार, समाज और प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। आइए संकल्प लें प्रकृति के साथ संघर्ष नहीं, संवाद करेंगे, उसे लूटेंगे नहीं, संवारेंगे विकास का मार्ग चुनेंगे पर जीवित मानवता की कीमत पर नहीं स्वच्छ हवा, स्वच्छ विचार और स्वच्छ आत्मा ही एक स्वस्थ राष्ट्र की पहचान बने।

सूदखोर और उसके गुंडों ने घर में घुसकर किया पिटाई, हिललाइन पुलिस ठाणे में दर्ज हुआ मामला

कल्याण। कल्याण के द्वारली में सूदखोरों की दहशत फिर से सामने आई है, जहां एक परिवार को ब्याज पर पैसों के लेनदेन को लेकर सूदखोर और उसके गुंडों ने घर में घुसकर पिटाई कर दी। आरोपियों ने मकान और गाड़ी की तोड़फोड़ की, और महिलाओं को भी नहीं बख्शा। इस घटना में उल्हासनगर के हिललाइन थाने में सूदखोर सुनील जाधव और उसके साथी सचिन एवं गुरु राठौड़ के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। हिल लाइन पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार भालगांव का रहने वाला सुमित पवार मजदूरी करता है। सुमित ने सुनील जाधव से ब्याज पर पैसों का लेनदेन किया था। सुमित के परिजनों का आरोप है कि ब्याज पर ली हुई रकम चुकाने के बाद भी सुनील जाधव उससे पैसों की मांग कर रहा है। बीते रविवार सुनील अपने साथियों के साथ सुमित के घर आ पहुंचा। रुपये नहीं देने पर उसने गालीगलौज करते हुए घर में घुसकर पूरे परिवार की पिटाई की। आरोप है कि सूदखोर सुनील जाधव और उसके साथियों ने महिलाओं पर हाथ उठाने से भी परहेज नहीं किया। लाठी-डंडे और प्लास्टिक के पाइप से पूरे परिवार की पिटाई की गई। इस घटना से परिसर में सनसनी मच गई है। वहीं अवैध तरीके से ब्याज का लेनदेन करने वाले साहूकारों की गुंडागर्दी का नमूना भी सामने आया है।

तेजस काटेकर को भिवंडी पश्चिम विधानसभा युवा सेना प्रमुख की मिली महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

भिवंडी। भिवंडी शहर के कामतघर क्षेत्र के युवा शिवसैनिक तेजस मनोज काटेकर को भिवंडी पश्चिम विधानसभा क्षेत्र का युवासेना प्रमुख नियुक्त किया गया है। युवासेना के कार्याध्यक्ष पूर्वेश सरनाईक ने उनके नाम की घोषणा की। तेजस काटेकर, जो कि भिवंडी के पूर्व उपमहापौर मनोज काटेकर के सुपुत्र हैं, पिछले तीन वर्षों से कामतघर परिसर में युवाओं की टीम बनाकर सामाजिक और राजनीतिक गतिविधियों में सक्रिय रहे हैं। उन्होंने व?हाळदेवी तलाव की सफाई के लिए ह्लहर संडे एक घंटाह्व अभियान शुरू किया था। इस अभियान को लगातार तीन महीनों तक लोगों का उत्साह जनक समर्थन मिला और सैकड़ों टन कचरा तलाव से निकालने में सफलता मिली। तेजस काटेकर की नई नियुक्ति के बाद पूरे भिवंडी पश्चिम विधानसभा क्षेत्र से उन्हें शुभकामनाएं मिल रही हैं। इस अवसर पर तेजस काटेकर ने कहा कि वे क्षेत्र में युवासेना के नए और ऊजार्वान कार्यकताओं की मजबूत टीम तैयार कर पार्टी को और अधिक मजबूत बनाने का प्रयास करेंगे।

बी. एन. एन. कालेज में डा. निनाद जाधव की पुस्तक ग्रामीण पायाभूत सुविधा और विकास का भव्य विमोचन कार्यक्रम संपन्न

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी स्थित प्रसिद्ध बी.एन.एन. महाविद्यालय के ग्रामीण विकास विभाग के विभागाध्यक्ष डा. निनाद विजय जाधव द्वारा लिखित महत्वपूर्ण पुस्तक ग्रामीण पायाभूत सुविधा और विकास का विमोचन शनिवार (7) को महाविद्यालय में आयोजित एक विशेष समारोह में किया गया। इस पुस्तक का विमोचन पद्मश्री अण्णासाहेब जाधव भारतीय समाज उन्नती मंडळ के संस्थाध्यक्ष विजय जाधव, संस्था पदाधिकारी बी. डी. काळे, डा. नरेश जाधव, रोहित जाधव तथा महाविद्यालय के प्राचार्य डा. शशिकांत म्हाळुंकर के करकमलों से संपन्न हुआ। इस अवसर पर रॉयल महाविद्यालय की प्राचार्या डा. कल्पना पाटणकर, वर्तक महाविद्यालय के प्राचार्य डा. अरविंद उबाळे, डा. वसंत माळी, डा. संतोष राठोड, डा. खानपेकर और डा. आर. आर. देशमुख सहित बड़ी संख्या में शिक्षाविद और अध्ययनकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि बदलती वैश्विक परिस्थितियों में ग्रामीण विकास का स्वरूप अधिक व्यापक और तकनीकी होता जा रहा है। भारत के सर्वांगीण विकास के लिए ग्रामीण क्षेत्रों का विकास अत्यंत महत्वपूर्ण है। लेखक डा. निनाद जाधव ने बताया कि मुंबई विश्वविद्यालय की नई शैक्षणिक नीति को ध्यान में रखते हुए यह पुस्तक विशेष रूप से स्नातक स्तर के विद्यार्थियों के लिए तैयार की गई है। इस पुस्तक का उद्देश्य केवल सैद्धांतिक ज्ञान प्रदान करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को ग्रामीण अर्थव्यवस्था में हो रहे व्यावहारिक परिवर्तनों से भी परिचित कराना है। इस अवसर पर उपस्थित सभी विद्वानों ने पुस्तक को ग्रामीण विकास के अध्ययन के लिए उपयोगी और मार्गदर्शक बताया।

छोटी कल्याणी, मुजफ्फरपुर में ई-मेडिक्स स्मार्ट फामेर्सी का उद्घाटन

मुंबई/मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के छोटी कल्याणी क्षेत्र में ई-मेडिक्स स्मार्ट फामेर्सी की नई शाखा का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री रंजन कुमार (माननीय विधायक, मुजफ्फरपुर) ने फीता काटकर स्टोर का शुभारंभ किया और इस पहल को स्थानीय लोगों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। फ्रेंचाइजी ओनर मोहम्मद निसार ने कहा कि इस स्टोर के माध्यम से क्षेत्र के लोगों को गुणवत्तापूर्ण ब्रांडेड दवाइयाँ उचित कीमत पर उपलब्ध कराई जाएँगी, ताकि ग्राहकों को बेहतर और भरोसेमंद सेवा मिल सके। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में श्याम सुंदर भीमसेरिया (सी ओ सी अध्यक्ष), मोहम्मद सारीम, डॉ. वी. मोहन कुमार (एमबीबीएस,एमडी), डॉ. गौरव वर्मा (मैक्सिलोफेशियल सर्जन),मोहम्मद आसिफ तथा मोहम्मद दिलशाद (वी.पी., ए आई एम आर ए) उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने ई-मेडिक्स की संगठित फामेर्सी व्यवस्था और ग्राहक-केंद्रित सेवाओं की सराहना की।

अक्षय कुमार का खुलासा: गुजराती थाली से दीवानगी: उंधियू और तुअर की दाल का मजा एडामामे में नहीं

मुंबई/पटना। अपनी अनुशासित लाइफस्टाइल और सादगी के लिए मशहूर अक्षय कुमार आने वाले एपिसोड में गुजराती खाने के प्रति अपने प्यार का खुलासा करते नजर आएंगे। मजेदार बातचीत के दौरान उन्होंने महंगे मॉडर्न फूड ट्रेंड्स जैसे एवोकाडो और ट्रफल मशरूम पास्ता को मजाकिया अंदाज में नकारते हुए अपनी पसंदीदा गुजराती थाली की तारीफ की। विराज गहलानी, जो एक गुजराती परिवार से आते हैं, अपने घर की पारंपरिक खाने की दिनचर्या के बारे में बताते हैं। अपनी परवरिश की झलक साझा करते हुए विराज कहते हैं, मैं गुजराती फैमिली से आता हूँ। हमारे घर में रूटीन होता है: सोमवार को तूर की दाल, मंगलवार नॉर्मल, बुधवार मूंग की दाल, शुक्रवार कढ़ी, और शनिवार को उड़द की दाल। यह सुनकर अक्षय तुरंत खुश हो जाते हैं और अपने खाने के शौक को साझा करते हुए कहते हैं, यार गुजराती खाना मुझे बहुत मजा आता है।

पालघर जिला परिषद का 68.55 करोड़ रुपये का बजट घोषित

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। ग्रामीण क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास एवं नागरिकों के जीवनस्तर को बेहतर बनाने के उद्देश्य से जिला परिषद पालघर ने वर्ष 2026-27 का 68 करोड़ 55 लाख 33 हजार रुपये का बजट प्रस्तुत किया। यह बजट मंगलवार 10 मार्च 2026 को आयोजित विशेष सर्वसाधारण सभा में प्रशासक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे की अध्यक्षता में पेश करते हुए सर्वसम्मति से पारित किया गया। सभा से पूर्व जिला परिषद मुख्यालय के मुख्य प्रवेशद्वार पर छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा के समक्ष मुख्य लेखा एवं वित्त अधिकारी सचिन कवठे ने बजट की प्रति मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे को सौंपी। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 68 करोड़ 55 लाख 33 हजार रुपये का राजस्व व्यय प्रस्तावित किया गया है, जबकि 13 करोड़ 15 लाख 72 हजार 424 रुपये का राजस्व शेष भी रखा गया है। यह बजट ग्रामीण विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, महिला एवं बाल कल्याण सहित विभिन्न क्षेत्रों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। बजट में सामान्य प्रशासन विभाग को 3 करोड़ 58 लाख 11 हजार रुपये, निर्माण विभाग को 12 करोड़ 59 लाख 27 हजार रुपये, प्राथमिक शिक्षा विभाग को 9 करोड़ 76 लाख 2 हजार रुपये, स्वास्थ्य विभाग को 5 करोड़ 4 लाख रुपये, ग्रामीण जल आपूर्ति विभाग को 5 करोड़ 56 लाख 80 हजार रुपये, समाज कल्याण विभाग को 5 करोड़ 60 लाख रुपये, दिव्यांग कल्याण विभाग

को 2 करोड़ 19 लाख 87 हजार रुपये, महिला एवं बाल कल्याण विभाग को 3 करोड़ 97 लाख 5 हजार रुपये, कृषि विभाग को 8 करोड़ 2 लाख रुपये पशुसंवर्धन विभाग को 4 करोड़ 53 लाख 19 हजार रुपये, लघु सिंचाई विभाग को 4 करोड़ 50 लाख 1 हजार रुपये, वन विभाग को 10 लाख रुपये, संकीर्ण खर्च के लिए 3 करोड़ 93 लाख 1 हजार रुपये, ग्राम पंचायत विभाग को 3 करोड़ 16 लाख रुपये आवंटित करने हेतु प्रावधान किया गया है। इस बजट में कई नवोन्मेषी योजनाओं को शामिल किया गया है। इनमें जिला परिषद स्कूलों में सौर ऊर्जा प्रणाली लगाना, निपुण पालघर गुणवत्ता विकास अभियान, कैंसर और एनीमिया की रोकथाम व जांच कार्यक्रम, किशोरियों के लिए हीमोग्लोबिन जांच अभियान, अनुदानित छात्रावासों में सोलर वॉटर हीटर, दिव्यांग पशुपालकों को दुधारू पशु खरीद के लिए आर्थिक सहायता, दिव्यांगों के लिए सुगम शौचालय निर्माण, युवाओं को रोजगार व स्वरोजगार प्रशिक्षण, बालिकाओं के लिए आत्मरक्षा प्रशिक्षण, कुपोषित बच्चों तथा गर्भवती व स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए अतिरिक्त पोषण आहार जैसी योजनाएं शामिल हैं। इसके अलावा किसानों को सिंचाई सामग्री उपलब्ध कराना, आवारा कुत्तों का नसबंदी अभियान, कोल्हापुरी पद्धति के बंधारों की मरम्मत, बिना सड़क वाले गांवों को बारहमासी सड़क उपलब्ध कराना तथा ऐतिहासिक गढ़झकिलों के संरक्षण जैसे कार्य भी प्रस्तावित किये गये हैं। इस बैठक में अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रविंद्र शिंदे, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी इजाज अहमद शरीक मसलत, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी अशोक पाटील, उपमुख्य लेखा एवं वित्त अधिकारी विकास पाटील सहित सभी विभागों के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे। मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने कहा कि यह बजट जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि एवं आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करेगा तथा विकास को नई गति देगा। वहीं अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रविंद्र शिंदे ने विश्वास जताया कि यह बजट ग्रामीण, आदिवासी एवं किसान समुदाय के जीवन स्तर को सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा।

मरोल वार्ड नंबर 86 में शिव जयंती धूमधाम से मनाई गई

मुंबई (उत्तरशक्ति)। हिंदवी स्वराज्य के जनक छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती अंधेरी पूर्व विधानसभा क्षेत्र के मरोल वार्ड नंबर 86 में धूमधाम से मनाई गई। शिवसेना के उप नेता कमलेश राय और स्थानीय नगरसेवक रितेश कमलेश राय की तरफ से आयोजित शिव जयंती समारोह में विभाग के सैकड़ों नागरिकों, शिव सैनिकों और शिव प्रेमियों ने हिस्सा लिया। शिव जयंती के मौके पर इलाके में एक बड़ी शोभायात्रा निकाली गई और जय भवानी जय शिवाजी, हर हर महादेव के नारे से सम्पूर्ण इलाका गुंजायमान हो गया।शिवसेना के उप नेता कमलेश राय और नगरसेवक रितेश कमलेश राय के आयोजन में शिव जयंती हर्षोल्लास से मनाई गई। महिलाओं ने भगवा रंग की साड़ी पहनकर शिव जयंती समारोह को भगवामय बना दिया।

महिलाओं ने देश ही नही बल्कि विश्व में कीर्तिमान स्थापित किया है स्वीकृति प्रदीप शर्मा

मुंबई (उत्तरशक्ति)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं को और अधिक जागरूक करने के उद्देश्य से सामाजिक, शैक्षणिक व धार्मिक संस्था पीएस फाउंडेशन की तरफ से कार्यक्रम का आयोजन अँधेरी पूर्व के एमआईडीसी में किया गया था। जिसमें हजारों की संख्या में महिलाओं ने हिस्सा लिया।

समारोह को संबोधित करते हुए स्वावलंबन महिला समिति की अध्यक्षा स्वीकृति प्रदीप शर्मा ने कहा कि हम सब जितनी बड़ी तादात में एकजुट होकर रहेंगे हमें उतना ही बड़ा अधिकार और हमेशा सम्मान मिलेगा। और हम सबको किसी पर भी निर्भर रहने की जरूरत नही पड़ेगी। अब तो सरकार ने भी 50

प्रतिशत आरक्षण प्रदान कर महिलाओं को शक्तिशाली बनानें का काम किया है। शर्मा ने भारत की महिलाओं की गौरव गाथा का उल्लेख करते हुए कहा कि हमारे भारत की महिलाओं ने एक मिसाल पेश किया है जो जगजाहिर है। जिसमें मुख्य रूप से ख्खूब लड़ी मदार्नी, वह तो झांसी वाली रानी थी।ख् वीरता की प्रेरणा मिलती है। कुशल नेतृत्व की मसीहा सरोजिनी नायडू, अपने संकल्प और फैसले से विश्व को झकझोर देने वाली आयरन लेडी पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और जमीन से लेकर अन्तरिक्ष तक मिशाल पेश करने वाली कल्पना चावला ने अन्तरिक्ष में भारत का तिरंगा लहराया। और देश का गौरव बढ़ाया। शर्मा ने आगे कहा कि इन विभूतियों से हमें प्रेरणा मिलती है। जिसे कभी भूलना नही चाहिये। और पीएस फाउंडेशन हमेशा सहयोगी भूमिका में खड़ा रहेगा। अंत मे अन्य कई महिलाओं ने फाउंडेशन के अध्यक्ष व पूर्व पुलिस अधिकारी प्रदीप शर्मा के सहयोगों की भूरी भूरी प्रशंसा की। और कहा कि शर्मा दाम्पत्य सदैव खुश और खुशहाल रहे और उनके लंबी उम्र की भी कामना की। और उपस्थित समुदाय ने प्रदीप और स्वीकृति शर्मा की सराहनीय जनसेवा के लिए सामूहिक रूप से आभार व्यक्त किया।

लोकमत सखी मंच व आपणौ सखी सहेली महिला मंडल ने मनाया महिला दिवस

पालघर(उत्तरशक्ति)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर बोईसर की सामाजिक संस्था लोकमत सखी मंच बोईसर व आपणौ सखी सहेली महिला मंडल बोईसर के सदस्यों ने संयुक्त रूप से पालघर जिले के तारापुर क्षेत्र अंतर्गत स्थित चिंचणी बीच पर महिला विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया, जहां दोनों समूहों की महिलाओं ने मिलकर महिला दिवस मनाया।

इस मौके पर डॉ. कल्पना बारापात्रे ने महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। वहीं ओम शांति संस्था की दीदीजी ने उपस्थित महिलाओं को ध्यान (मेडिटेशन) का अभ्यास करवाया, जिससे सभी ने मानसिक शांति एवं सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव किया। कार्यक्रम में चिंचणी पुलिस स्टेशन से महिला कांस्टेबल भी उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। पूरे आयोजन के दौरान महिलाओं ने बचपन की तरह खुलकर आनंद लेते हुए एक-दूसरे के साथ खुशियों के पल साझा किये। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं का

अनुशासन, बेहतर व्यवस्था व सौहार्दपूर्ण व्यवहार चिंचणी बीच पर आकर्षण का केंद्र बना रहा। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए बोईसर से चिंचणी तक बस की निःशुल्क सुविधा मेघा गोडबोले द्वारा उपलब्ध कराई गई, जिसकी सभी महिलाओं ने सराहना की। आयोजन की साक्षीदार समाजसेविका मेघना वैराल ने बताया कि कार्यक्रम की खास बात यह रही कि दोनों महिला समूहों के बीच शानदार सामंजस्य व एकजुटता देखने को मिली, जिसने पूरे आयोजन को और भी खास बना दिया।

यादव समाज सेवा संस्था ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओं को किया सम्मानित

पालघर(उत्तरशक्ति)। यादव समाज सेवा संस्था, बोईसर की ओर से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 8 मार्च 2026 को सिडको कॉलोनी, बोईसर में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोईसर पुलिस स्टेशन की पुलिस उपनिरीक्षक मेहेर मैडम उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम के दौरान यादव समाज की विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर रही 35 प्रतिभाशाली महिलाओं को सम्मानित किया गया। ये महिलाएं शिक्षा, चिकित्सा, अभियांत्रिकी, उद्यमिता तथा सरकारी सेवाओं जैसे विभिन्न क्षेत्रों में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। मुख्य अतिथि मेहेर मैडम ने सभी महिलाओं को पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। पुलिस उपनिरीक्षक मेहेर ने महिलाओं के सर्वांगीण विकास पर प्रकाश डालते हुए उन्हें आत्मनिर्भर बनने, शिक्षा व स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने तथा समाज में सशक्त भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान संस्था के

पदाधिकारियों व सदस्यों ने महिलाओं के स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के समाधान तथा उनके समग्र कल्याण के लिए कार्य करने का संकल्प भी लिया। उन्होंने कहा कि संस्था महिलाओं के सशक्तिकरण, शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक स्वावलंबन के लिए निरंतर प्रयास करती रहेगी। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस अवसर पर संस्था प्रमुख डॉ. राजेश हरिनाथ यादव के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम की सभी उपस्थित लोगों ने सराहना की। संस्था द्वारा समाज के उत्थान और विशेष रूप से महिलाओं एवं युवाओं के सशक्तिकरण के लिए किए जा रहे प्रयासों की भी प्रशंसा की गई। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

शिवकृपा सहकारी पतपेढी लि. बोईसर शाखा ने मनाया विश्व महिला दिवस

पालघर(उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र के सहकार क्षेत्र में अग्रणी एवं प्रतिष्ठित संस्था शिवकृपा सहकारी पतपेढी लि. मुंबई की बोईसर शाखा में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का कार्यक्रम बड़े उत्साह पूर्ण वातावरण में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत संस्था की हितचिंतक एवं ठिणगी सामाजिक सेवा संस्था की अध्यक्षा डॉ. स्मिता मालवदे, सेवा आश्रम जूनियर कॉलेज की प्राध्यापिका सुषमा पाटील, युवा कीर्तनकार एवं आई जिजाऊ लेकी संस्था की अध्यक्षा शीतल शिंदे व समाजसेविका रूपाली कोलेकर के हाथों दीप प्रज्वलन करके की गई। इस कार्यक्रम में बोईसर शहर, पास्थल, सरावली क्षेत्र की महिला सभासद तथा सामाजिक, शैक्षणिक, राजनीतिक, प्रशासनिक, सांस्कृतिक, कला, क्रीड़ा,

साहित्य और आध्यात्मिक क्षेत्र में कार्यरत अनेक महिलाएं उपस्थित रहीं। इस अवसर पर बोईसर शाखा के शाखा प्रबंधक संतोष पोल ने उपस्थित सभी महिलाओं का पुष्प व स्मृति स्वरूप जूट बैग देकर स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान कई महिला सभासदों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए संस्था के कार्यों की सराहना करते हुए पतपेढी के माध्यम से महिलाओं को मिल रहे सहयोग पर संतोष व्यक्त किया। कार्यक्रम का आरंभ प्रार्थना से हुआ तथा समापन पसायदान के साथ किया गया। पूरे कार्यक्रम के दौरान महिलाओं में उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा देखने को मिली। इस प्रकार शिवकृपा सहकारी पतपेढी की बोईसर शाखा में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को चाहने वाले करोड़ों लोगों की नई ऊर्जा और उम्मीद हैं ई निशांत कुमार : शैलेन्द्र कुमार

मुंबई/नई दिल्ली। ई. निशांत कुमार के जदयू में औपचारिक रूप से शामिल होने पर जदयू दिल्ली प्रदेश कार्यालय में कार्यकताओं द्वारा हर्षोल्लास के साथ जश्न मनाया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे और एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर अपनी खुशी व्यक्त की। जदयू दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि निशांत कुमार के जदयू परिवार में शामिल होने से न केवल पार्टी कार्यकताओं में बल्कि दिल्ली में रह रहे करोड़ों बिहारियों के बीच भी उत्साह का माहौल है। युवा सोच और नेतृत्व को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को चाहने वाले करोड़ों लोगों में नई ऊर्जा और उम्मीद जगी है।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि निशांत कुमार में मुख्यमंत्री एवं जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार के लंबे राजनीतिक अनुभव, उनकी बेहतरीन कार्यशैली तथा जदयू की मूल विचारधारा की स्पष्ट झलक दिखाई देती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उनके सक्रिय योगदान से संगठन को नई मजबूती

मिलेगी और युवाओं के बीच पार्टी की पकड़ और सशक्त होगी। शैलेन्द्र कुमार ने आगे कहा कि 14 करोड़ बिहारियों को अपना परिवार मानते हुए माननीय मुख्यमंत्री हर वर्ग की तरक्की, उन्नति और खुशहाली के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। 10 से 14 मार्च के बीच माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कोशी-सीमांचल सहित राज्य के 10 जिलों का दौरा करेंगे और विभिन्न विकास योजनाओं का जमीनी अवलोकन करेंगे। इस दौरान शिक्षा, स्वास्थ्य एवं उद्योग सहित सभी क्षेत्रों के आधारभूत ढांचे के विकास को नई दिशा देने पर विशेष जोर दिया जाएगा। प्रदेश महासचिव सर्वेश कश्यप ने अपने संबोधन में कहा कार्यकर्ताओ के पुरजोर मांग पर जदयू परिवार में ई निशांत जी का स्वागत है।

सैमसंग ने गैलेक्सी एस26 सीरीज की अर्ली डिलीवरी शुरू की

मुंबई। भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग ने आज भारत में उन ग्राहकों के लिए अपनी सबसे उन्नत एआई-आधारित स्मार्टफोन लाइन, गैलेक्सी एस26 सीरीज की अर्ली डिलीवरी (समय से पहले डिलीवरी) की घोषणा की है, जिन्होंने इन डिवाइसेज को प्री-बुक किया था। गैलेक्सी एस26 सीरीज - जिसमें एस26 अल्ट्रा, एस26+ और एस 26 शामिल हैं - मोबाइल फोन के लिए दुनिया का पहला बिल्ट-इन 'प्राइवेसी डिस्प्ले' पेश करती है, जो डिस्प्ले अनुभव की एक नई श्रेणी की शुरूआत करता है।

साथ ही इसमें 'एजेंटिक एआई' है, जो चुपचाप रोजमर्रा के काम संभाल लेता है ताकि यूजर्स उन चीजों पर ध्यान दे सकें जो वास्तव में महत्वपूर्ण हैं। गैलेक्सी एस 26 अल्ट्रा क्वालकॉम स्नैपड्रैगन 8 एलीट जेन 5 प्लेटफॉर्म द्वारा संचालित है, जो इसके 7.9 मिमी के पतले डिजाइन में सीपीयू, जीपीयू और एनपीयू के प्रदर्शन में भारी सुधार लाता है। इसमें 'सुपर-फास्ट चार्जिंग 3.0' की सुविधा है, जिससे यह सिर्फ 30 मिनट में लगभग 75% तक चार्ज हो सकता है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

शिक्षा से ही मिलती है जीवन की असली मंज़िल: कुलपति

अपोलो पाइप्स लिमिटेड की सीएसआर पहल के तहत आयोजित हुआ कार्यक्रम

प्रेरणा कोचिंग के विद्यार्थियों को वितरित किया गया शैक्षिक किट

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय द्वारा देवकली गाँव में संचालित ह्लप्रेरणा कोचिंगह्व से जुड़े ग्रामीण एवं वंचित वर्ग के बच्चों के लिए शैक्षिक

सामग्री वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम अपोलो पाइप्स लिमिटेड की कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल के अंतर्गत सम्पन्न हुआ, जिसमें विद्यार्थियों को स्कूल बैग, पानी की बोतल, पेंसिल किट एवं बिस्किट वितरित किए गए।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने विद्यार्थियों को किट वितरित की तथा उन्हें जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा के बल पर ही जीवन में हर लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने बच्चों से उनके सपनों के बारे में भी बातचीत की और उन्हें अपने लक्ष्य को पाने के लिए निरंतर परिश्रम करने का संदेश दिया। इस अवसर पर अपोलो पाइप्स लिमिटेड के डिप्टी रीजनल सेल्स मैनेजर (सेल्स एवं विपणन) शशिभूषण सिंह की विशेष उपस्थिति रही। उन्होंने कहा कि कंपनी सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत शिक्षा और समाज के विकास से जुड़े ऐसे कार्यक्रमों में आगे भी सहयोग करती रहेगी।

गौरतलब है कि वर्ष 2014 से विश्वविद्यालय से सटे देवकली गाँव में ग्रामीण बच्चों के लिए विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा ह्लप्रेरणा कोचिंगह्व का संचालन किया जा रहा है, जिसके माध्यम से जरूरतमंद बच्चों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान की जाती है।

कार्यक्रम में प्रो. अजय प्रताप सिंह, डॉ. अन्नू त्यागी, डॉ. शशिकांत यादव, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. इंद्रेश कुमार, सुमित सिंह, दिव्यांशु सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। प्रेरणा टीम के शिक्षकों में शिवम यादव (समन्वयक), विकास पटेल, रवि सिंह यादव, श्रवण कुमार, अभय राज निषाद एवं निलेश यादव का विशेष सहयोग रहा।

सरकारी अस्पताल में गायब रहती हैं महिला डॉक्टर, मरीजों की बढ़ी मुश्किलें

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) शाहगंज में तैनात एक महिला स्त्री रोग विशेषज्ञ चिकित्सक की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। आरोप है कि डॉक्टर सरकारी वेतन तो नियमित रूप से ले रही हैं, लेकिन अस्पताल में ड्यूटी के नाम पर केवल खानापूर्ति की जा रही है। इससे दूर-दराज से आने वाले मरीजों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

जानकारी के अनुसार शाहगंज का यह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चार जनपदों की सीमा पर स्थित है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं। अस्पताल में स्त्री रोग विशेषज्ञ के रूप में दो महिला चिकित्सक तैनात हैं, लेकिन मरीजों और स्थानीय लोगों का आरोप है कि इनमें से एक डॉक्टर अक्सर निर्धारित समय पर अस्पताल में मौजूद नहीं रहतीं।

बताया जाता है कि संबंधित महिला चिकित्सक का अस्पताल में आने और जाने का कोई तय समय नहीं है। कई बार वे केवल एक या दो घंटे के लिए ही अस्पताल में दिखाई देती हैं, जबकि कई दिन तो ऐसा भी होता है कि वे आती ही नहीं हैं। हैरानी की बात यह है कि उपस्थिति रजिस्टर में उनके हस्ताक्षर प्रतिदिन दर्ज रहते हैं।

◆ रजिस्टर में हाजिरी, अस्पताल से नदारद डॉक्टर! मरीजों को निजी अस्पताल का सहारा

◆ पूरा वेतन, अधूरी ड्यूटी! शाहगंज सीएचसी में महिला चिकित्सक की लापरवाही से मरीज बेहाल

स्थानीय लोगों का कहना है कि डॉक्टर की अनुपस्थिति के कारण कई मरीजों को बिना इलाज के ही वापस लौटना पड़ता है। खासकर महिलाओं और गर्भवती मरीजों को काफी परेशानी झेलनी पड़ती है। मजबूरी में गरीब और आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को निजी अस्पतालों का रुख करना पड़ता है, जहां उन्हें भारी भरकम फीस चुकानी पड़ती है।

हालांकि अस्पताल में तैनात दूसरी स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर आकांक्षा सिंह मरीजों का इलाज पूरी जिम्मेदारी और समर्पण के साथ करती नजर आती हैं। लेकिन मरीजों की संख्या अधिक होने के कारण अकेले उनके लिए सभी मरीजों को संभाल पाना मुश्किल हो जाता है।

स्थानीय लोगों और मरीजों का कहना है कि स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों को इस पूरे मामले की जानकारी होने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। इससे विभागीय कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

मरीजों और क्षेत्रीय नागरिकों ने स्वास्थ्य विभाग के उच्चाधिकारियों से मांग की है कि अस्पताल में चिकित्सकों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित की जाए और लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि गरीब और जरूरतमंद मरीजों को समय पर इलाज मिल सके।

प्राइवेट अस्पतालों के लंबे बिल और खर्चे को देखते हुए सरकारी सुविधा का लाभ मिल जाये इस लिए सामुदायिक स्वास्थ केंद्र में तैनात महिला चिकित्सक को शनिवार को दिखाने आई थी तो उस समय लभभग एक बजे रहे होंगे पूछने पर पता चला डॉक्टर साहिबा चली गयी। कुछ लोगो ने बताया की उनका आने और जाने का कोई निर्धारित समय नही है। मजबूरन हमे प्राइवेट अस्पताल का रुख करना पड़ा। रजनी गुप्ता-मरीज।

इस सम्बंध में सीएमओ डॉक्टर प्रभात सिंह से पूछा गया तो उन्होंने कहा की अब डॉक्टर समय से आएंगी उक्त महिला चिकित्सक को एक बच्चा है जिससे इस तरह की दिक्कतें आरही है। जब कार्यवाई के बाबत पूछा गया तो वह बात को टालते हुए कहे की मैं अभी मीटिंग में हूँ जो रात नौ बजे तक चलेगी। आप कंल बात कीजिये। इसी तरह कुछ दिन पूर्व भी सीएमओ से इस बाबत बात की गई तो उन्होंने कहा था कि मैं अधीक्षक शाहगंज से जानकारी लेकर बताऊंगा।

केराकत के रियांश हास्पिटल पर पड़ा देर शाम छापा, किया गया सील

जांच में अस्पताल संचालक न तो वैध रजिस्ट्रेशन दिखा सखा नतो वहां तैनात स्टाफ के पास कोई मेडिकल डिग्री

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सोमवार को देर शाम केराकत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के समीप स्थित रियांश हॉस्पिटल पर छापा मार कर उसे सील कर दिया गया। जांच के दौरान अस्पताल संचालक न तो वैध रजिस्ट्रेशन दिखा सका और न ही वहां तैनात स्टाफ के पास कोई मेडिकल डिग्री पाई गई। उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आलोक सिंह और डॉ. आलोक कुमार ने बताया कि इस अस्पताल को पहले ही तीन बार नोटिस जारी कर दस्तावेज मांगे गए थे लेकिन संचालक ने विभाग को कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया। सोमवार शाम को देर शाम को पुलिस बल की मौजूदगी में टीम ने अस्पताल परिसर की जांच की और खामियां मिलने पर उसे तत्काल प्रभाव से सील कर दिया। अधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि दोबारा बिना अनुमति के अस्पताल का संचालन किया गया तो संचालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जेल भेजने की कार्रवाई की जाएगी। टीम में डॉ. अरुण कुमार कनौजिया और स्थानीय पुलिसकर्मी भी शामिल रहे। स्वास्थ्य विभाग द्वारा बताया गया कि सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार जौनपुर जिले में केवल

क्या शेष बचे अवैध अस्पतालों को भी किया जायेगा सील, अवैध अस्पताल संचालकों में मची अफरातफरी

230 अस्पताल ही पंजीकृत हैं। वहीं अगर बात की जाये केराकत तहसील क्षेत्र के इर्द-गिर्द अवैध अस्पतालों का बोलबाला है। यातो यूं कहें कि अवैध अस्पतालों की बाढ़ आ गई है। आये दिन लोगों की जिन्दगियों से खिलवाड़ किया जा रहा है। सुत्र बताते हैं कि यदि अवैध अस्पतालों की जांच की जाये तो 230 से अधिक बिना रजिस्ट्रेशन के अवैध तरीके के केराकत तहसील क्षेत्र अन्तर्गत अवैध अस्पतालों को चलाया जा रहा है। यह

बहुत ही गंभीर प्रश्न है। इसपर लोगों ने उत्तर प्रदेश सरकार से लेकर स्वास्थ्य विभाग के उच्चाधिकारियों से गहनता से जांच कर कार्यवाही करनें की जरूरत है। ताकि कुकुर मुत्तो के तरीके से खुले अवैध अस्पतालों को कड़ी से कड़ी कार्यवाही करते हुए बचे हुए तमाम अवैध अस्पतालों की बन्द कराया जाये? ताकि गरीबों के जान के साथ खिलवाड़ न हो सके और उसकी जांन बचाई जा सके।

सोमवार देर शाम को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने जब केराकत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से सटे रियांश हास्पिटल जैसे ही छापा मार कर अवैध अस्पताल को सील किया गया। कि सूचना मिलते ही अन्य अवैध अस्पतालों के संचालकों नें अपनी अपनी दुकान का सटर गिराकर गायब हो गये। मंगलवार को भी अवैध अस्पतालों के संचालकों में अफरातफरी मची हुई थी। और अपने अपने अवैध अस्पतालों को बन्द करके गायब रहे। अब देखना यह है कि क्या शेष बचे अवैध अस्पतालों को भी सील किया जायेगा या नहीं।

जामा मस्जिद में तरावीह मुकम्मल, मुल्क में अमन-चैन और तरक्की के लिए उठे सैकड़ों हाथ

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उमरपुर क्षेत्र के अहमद खां मंडी मोहल्ला में स्थित जामा मस्जिद में संरक्षक मुशीर आलम सिद्दीकी, निजामुल हक,

फरीदुल हक, नेयाज खान के संरक्षण में सोमवार देर रात कुरान-ए-पाक की तरावीह मुकम्मल हुई। इस रूहानी और नूरानी मौके पर बड़ी संख्या में नमाजी जुटे, जहाँ विशेष दुआओं के साथ मुल्क की खुशहाली, तरक्की और आपसी भाईचारे के लिए प्रार्थना की गई। इबादत का दौर और इमामों का सम्मान।

माह-ए-रमजान की शुरूआत के साथ ही मोमिन अल्लाह की इबादत में मशगूल हैं। सहरी, इफ्तार और तिलावत-ए-कुरान के साथ मस्जिदों में तरावीह का सिलसिला जारी है। अहमद खा मंडी जामा मस्जिद में इमाम हाफिज अब्दुल हक हाशमी ने तरावीह की नमाज मुकम्मल कराई।

कुरान मुकम्मल होने की खुशी में नमाजियों ने हाफिज श्री हाशमी को माला पहनाकर और गुलपोशी कर उनका हौसला अफजाई किया। इस दौरान उन्हें कपड़े और विभिन्न तोहफे भेंट कर उनका शुक्रिया अदा किया गया।

भाईचारे का दिखा नजारा: तरावीह खत्म होने के बाद पूरी मस्जिद का माहौल नूरानी हो गया। नमाजियों ने एक-दूसरे से गले मिलकर और मुसाफा (हाथ मिलाकर) करके मुबारकबाद दी। इस खुशी के मौके पर सभी उपस्थित लोगों के बीच मिठाई भी बांटी गई। इस मौके पर मुख्य रूप से जावेद मौलाना, रियाजुल हक, आले रसूल खान, इकबाल खान, नफीस खान, एजाज खान, अल्ताफ खान, आफताब खान, अमीरुद्दीन मंसूरी, अरशद अंसारी, अनीस अंसारी, अजीम अंसारी, शरीफ सलमानी, तालिब खान, शकील अहमद खान, हाफिज मुस्लिम अंसारी, हाफिज कैफ खान, अहमद खान, डॉ सरफराज खान, इजराइल मुमताज, अमन शाह, शेफ खान, अशहद खान, जफर खान, शिबली खान, अजमल खान, अबी खान, वसीम अहमद मंसूरी, महमूद पप्पू, अशियम सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नमाजी उपस्थित रहे।

धर्म छिपाकर दोस्ती, शादी का झांसा देकर दुष्कर्म

राज खुलने पर दी जान से मारने की धमकी

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। कैंट थाना क्षेत्र में एक युवती को धर्म छिपाकर दोस्ती करने और शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि युवक ने अपनी पहचान छिपाकर युवती से नजदीकियां बढ़ाईं और बाद में कई बार शारीरिक संबंध बनाए। जब युवती को युवक के असली धर्म का पता चला तो उसने उससे दूरी बना ली, जिसके बाद आरोपी ने उसे बदनाम करने और जान से मारने की धमकी दी। मिली जानकारी के अनुसार, कैंट थाना क्षेत्र में किराए के मकान में रहने वाली युवती पास की एक ट्रैवल एजेंसी में काम करती है। कॉलोनी के गेट के पास बिरयानी की दुकान चलाने वाले युवक से उसकी जान-पहचान हुई थी। युवती अक्सर उसकी दुकान से बिरयानी मंगवाती थी, जिससे दोनों के बीच बातचीत बढ़ती गई और धीरे-धीरे नजदीकियां हो गईं। युवती का आरोप है कि युवक ने अपना नाम शान सिंह बताया था, लेकिन बाद में पता चला कि उसका असली नाम सऊद है। युवती ने जब सच्चाई जानकर उससे दूरी बनाने की कोशिश की तो आरोपी ने उसके कुछ फोटो और आपत्तिजनक वीडियो वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। विरोध करने पर उसने मारपीट भी की। कॉलोनी के लोगों और सुरक्षा गार्डों ने बीच-बचाव कर युवती को बचाया। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। कैंट थाना प्रभारी शिवाकांत मिश्रा ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की।

ट्रक ने कार को 100 मीटर तक घसीटा, चालक हिरासत में

सुशील कुमार तिवारी

रेणुकूट, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। रेणुकूट क्षेत्र में मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे मुर्धवा मोड़ के पास एक तेज रफ्तार ट्रक ने कार को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रक कार को लगभग 100 मीटर तक घसीटता ले गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार तेज गति से आ रहे ट्रक ने पीछे से कार में टक्कर मार दी और उसे घसीटते हुए आगे बढ़ता रहा। लोगों के चिल्लाने के बावजूद ट्रक चालक ने वाहन नहीं रोका। इसी दौरान एक युवक ने ट्रक के शीशे पर पत्थर मार दिया, जिसके बाद चालक ने ट्रक रोक दिया। ट्रक रुकते ही मौके पर मौजूद लोगों ने चालक को नीचे उतार लिया। पूछताछ में ट्रक चालक रघुनाथ यादव (निवासी मिजार्पुर) ने बताया कि उसे कार दिखाई नहीं दी थी। घटना की सूचना मिलने पर रेणुकूट चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रक को कब्जे में लेकर चालक को हिरासत में ले लिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। हादसे के समय कार चला रहे आर्यष सिंह (पुत्र अरविंद सिंह, निवासी विवेकानंद कॉलोनी) बाल-बाल बच गए। हालांकि उनकी कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घटना के बाद काफी देर तक मौके पर लोगों की भीड़ जमा रही।

लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे ने बढ़ाई देश की सामरिक ताकत: अरशद खान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लखनऊ समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं जौनपुर सदर के पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि आधुनिक दौर में किसी भी देश की सुरक्षा केवल उसकी सैन्य शक्ति से ही नहीं, बल्कि उसकी रणनीतिक आधारभूत संरचना से भी तय होती है। भारत जैसे विशाल और संवेदनशील भू-राजनीतिक क्षेत्र वाले देश के लिए ऐसे एक्सप्रेसवे का निर्माण बेहद जरूरी है, जिनका उपयोग आपातकालीन परिस्थितियों में सेना और वायुसेना द्वारा किया जा सके।

उन्होंने कहा कि एक समय भारत में ऐसा कोई एक्सप्रेसवे नहीं था, जहां फाइटर जेट विमानों की सुरक्षित लैंडिंग और टेकऑफ संभव हो सके, जबकि पड़ोसी देश चीन और पाकिस्तान अपनी सामरिक जरूरतों के अनुसार ऐसे हाइवे विकसित कर चुके थे।

अरशद खान ने कहा कि इस राष्ट्रीय आवश्यकता को समझते हुए उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने अपने कार्यकाल में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे का निर्माण कराया। यह केवल एक आधुनिक सड़क परियोजना नहीं, बल्कि देश की सामरिक सुरक्षा को मजबूत करने वाली ऐतिहासिक

पहल साबित हुई।

उन्होंने कहा कि जब लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर भारतीय वायुसेना के अत्याधुनिक फाइटर जेट विमानों की सफल लैंडिंग हुई, तो पूरी दुनिया ने देखा कि यह परियोजना विकास के साथ-साथ राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी कितनी महत्वपूर्ण है।

अरशद खान ने कहा कि जो कार्य सामान्यतः रक्षा मंत्रालय या केंद्र सरकार के स्तर पर होना चाहिए था, उसकी जरूरत को समझते हुए अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री रहते हुए राष्ट्रीय हित में यह दूरदर्शी कदम उठाया।

उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव का नेतृत्व आधुनिक विकास, प्रगतिशील सोच और मजबूत बुनियादी ढांचे के निर्माण का प्रतीक है। उनके कार्यकाल में उत्तर प्रदेश में बने एक्सप्रेसवे, मेट्रो परियोजनाएं, आईटी सिटी और आधुनिक सड़कें आज भी उनके विजन की मिसाल हैं।

अरशद खान ने कहा कि लखनऊझआगरा एक्सप्रेसवे आज केवल उत्तर प्रदेश ही नहीं, बल्कि पूरे देश की रणनीतिक ताकत का प्रतीक बन चुका है। यह परियोजना दशार्ती है कि यदि नेतृत्व में दूरदर्शिता और राष्ट्रहित के प्रति समर्पण हो, तो राज्य स्तर की पहल भी राष्ट्रीय महत्व की उपलब्धि बन सकती है।

अथर्व पटेल इंस्पायर मानक अवार्ड के लिए चयनित

सेंट जेवियर्स वर्ल्ड स्कूल पट्टीनरेंद्रपुर के छात्र ने बढ़ाया क्षेत्र का मान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खुटहन विकासखंड क्षेत्र अंतर्गत सेंट जेवियर्स वर्ल्ड स्कूल पट्टीनरेंद्रपुर के नौवीं कक्षा के छात्र अथर्व पटेल ने विज्ञान के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करके सफलता का परचम लहराया है। छात्र को इंस्पायर मानक अवार्ड के लिए चयनित किया गया। यह सम्मान विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार की इस योजना के तहत उन्हें विज्ञान प्रोजेक्ट/मॉडल तैयार करने के लिए दिया गया।

अथर्व पटेल विनय कुमार वर्मा के पुत्र हैं जिन्हें वर्ष 2025-26 के लिए इस प्रतिष्ठित योजना में चयनित किया गया है। इनके पिता ग्राम विकास इंटर कॉलेज खुटहन में शिक्षक एवं उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ (एकजुट) के जिलाध्यक्ष हैं। इसके अंतर्गत अब अथर्व जिला स्तर पर आयोजित होने वाली विज्ञान प्रदर्शनी एवं परियोजना प्रतियोगिता (DLEPC) में अपने विज्ञान मॉडल के साथ प्रतिभाग करेंगे।

छात्र की इस उपलब्धि पर

प्रबंध निदेशक संजय सिंह, प्रधानाचार्य व शिक्षकों ने दी बधाई

विद्यालय परिवार में खुशी का माहौल है। विद्यालय के प्रबंध निदेशक संजय सिंह ने अथर्व पटेल को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि विद्यालय के छात्रों की यह सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणादायक है। कहा कि इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार बहुत गौरवान्वित है। यह एक प्रतिष्ठित सम्मान है जो एक कड़ी मेहनत, समर्पण और असाधारण प्रतिभा का प्रमाण है। विद्यार्थी की शानदार सफलता पर हार्दिक बधाई।

वहीं छात्र के पिता विनय कुमार वर्मा ने भी बेटे की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि अथर्व की मेहनत और विद्यालय के शिक्षकों के मार्गदर्शन का यह परिणाम है। उन्होंने उम्मीद जताई कि वह आगे भी इसी तरह सफलता हासिल कर जिले और प्रदेश का नाम रोशन करेगा। इस मौके पर प्रधानाचार्य अजरा सदाकत, ग्राम विकास इंटर कॉलेज के प्रबंधक डॉ. रमेश चंद्र यादव एवं प्रधानाचार्य अरविंद कुमार, देवेंद्र प्रजापति, शिक्षकों एवं स्थानीय नागरिकों तथा शुभचिंतकों ने बधाई दी है।

होली विवाद मामले में पुलिस कार्रवाई पर उठे सवाल, APCR ने जताई नाराजगी

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। पिछले दिनों होली के दौरान रंग डालने और कथित आपत्तिजनक नारे लगाने को लेकर हुए विवाद के मामले में पुलिस की कार्रवाई पर सवाल खड़े हो रहे हैं। आरोप है कि पहले पुलिस ने युवकों को कोतवाली बुलाकर पूछताछ के बाद छोड़ दिया था, लेकिन अगले ही दिन फिर से उन्हें बुलाकर उनके खिलाफ कार्रवाई कर दी गई। बताया जा रहा है कि पुलिस ने ओसामा, तालिब, फैसल, शाहरुख, ज़िशान तथा ज़िशान की दुकान पर काम करने वाले रामू को दोबारा कोतवाली बुलाकर दिन भर बैठाए रखा और उनके खिलाफ धारा 170, 126 और 135 BNSS (पूर्व में 151, 107 और 116 CrPC) के तहत कार्रवाई की। परिजनों और स्थानीय लोगों का आरोप है कि युवकों से अपमानजनक तरीके से माफी मंगवाकर उसका वीडियो भी सार्वजनिक कर दिया गया, जिसे मानव गरिमा और संवैधानिक अधिकारों के खिलाफ बताया जा रहा है। मामले की जानकारी मिलने पर एसोसिएशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स (APCR) के अधिवक्ता शादाब, उबैद उल्लाह, जावेद, असलम और सलमान सुबह से ही कोतवाली में मौजूद रहे। कानूनी प्रयासों के बाद शाम तक सभी युवकों की जमानत करा ली गई। APCR की टीम ने पुलिस की इस कार्रवाई पर आपत्ति जताते हुए कहा कि पूरे मामले की कानूनी समीक्षा की जा रही है और जरूरत पड़ने पर इसके खिलाफ इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की जाएगी।

देश का सुनहरा भविष्य युवाओं पर निर्भर: बाबा दुबे

शिव पूजन पाण्डेय

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारत जैसे विशाल और विविधता से भरे देश के लिए उसकी सबसे बड़ी

ताकत उसकी युवा पीढ़ी है।आज का भारत युवाओं का देश है, जहाँ लगभग 65 प्रतिशत जनसंख्या 35 वर्ष से कम उम्र की है। यह एक सुनहरा अवसर है, क्योंकि युवा किसी भी देश की रीढ़ होते हैं। वे जितने सक्षम, जागरूक, शिक्षित और जिम्मेदार होंगे, देश का भविष्य उतना ही उज्ज्वल होगा। युवा समाजसेवी सतीश तिवारी के नेतृत्व में मिलने आई युवा टीम द्वारा सम्मानित किए जाने के बाद बदलापुर विधानसभा के पूर्व विधायक ओमप्रकाश दुबे उर्फ बाबा दुबे ने उपरोक्त बातें कही। उन्होंने कहा कि युवाओं के सपनों को पूरा करना सरकार की जिम्मेदारी है, परंतु दुर्भाग्य से सरकार UGC जैसे कानून लाकर युवाओं का भविष्य बर्बाद करने में लगी है। युवा शक्ति का आपसी टकराव देश को विनाश के रास्ते पर ले जाएगा। इस कानून से सभी का नुकसान होगा। उन्होंने पिछले दिनों सतीश तिवारी द्वारा 25 प्राथमिक स्कूलों के 5000 बच्चों को बाटी गई शैक्षणिक सामग्री की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे, श्रीकृष्ण तिवारी, वैभव कृष्ण तिवारी, सुजल तिवारी, उत्कर्ष तिवारी, सचिन तिवारी तथा प्रमोद गिरी उपस्थित रहे। बाबा दुबे ने सभी को उज्जवल भविष्य की शुभकामना देते हुए बाबा कुंज में आने के लिए धन्यवाद दिया।

रमजान रहमत, बरकत और इबादत का महीना: मोहम्मद असलम खान

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पवित्र माह रमजान की आमद के साथ ही मुस्लिम समाज में इबादत, रोजा और नेक कार्यों का सिलसिला शुरू हो गया है। इस मौके पर पत्रकार मोहम्मद असलम खान ने क्षेत्रवासियों को रमजान की मुबारकबाद देते हुए कहा कि यह महीना रहमत, बरकत और मगफिरत का महीना है। उन्होंने कहा कि रमजान मुसलमानों के लिए सबसे पवित्र महीनों में से एक है। इस दौरान दुनिया भर के मुसलमान रोजा रखकर अल्लाह की इबादत करते हैं और अपने गुनाहों की मगफिरत की दुआ मांगते हैं। रमजान इंसान को सब्र, परहेजगारी और नेक रास्ते पर चलने की सीख देता है। मोहम्मद असलम खान ने कहा कि रमजान का हर लम्हा रहमत और बरकत से भरा होता है। इस महीने में बंदा अल्लाह की इबादत कर अपने रब की रजा हासिल करने की कोशिश करता है और मुल्क में अमन-चैन, भाईचारे और खुशहाली की दुआ करता है। इस पाक महीने में की गई हर नेकी का सवाब कई गुना बढ़ जाता है। उन्होंने कहा कि रमजान के महीने में जरूरतमंदों और गरीबों की मदद के लिए जकात और सदका की व्यवस्था की गई है। इसका उद्देश्य समाज के कमजोर और असहाय लोगों की सहायता करना है। उन्होंने लोगों से अपील की कि अपनी हैसियत के अनुसार जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आएं। उन्होंने कहा कि गरीबों और असहायों की मदद करने से उनके दिल से निकली दुआ इंसान की जिंदगी में कामयाबी और बरकत का कारण बनती है। रमजान का महीना इंसानियत, भाईचारे और आपसी सहयोग का संदेश देता है। इसलिए सभी लोगों को इस पाक महीने में अधिक से अधिक इबादत और नेक कार्यों में हिस्सा लेकर समाज में प्रेम और सौहार्द को मजबूत करना चाहिए।

रिहायशी इलाके में खुलेआम मुर्गा काटने से मोहल्लेवासियों में आक्रोश

इम्तियाज अहमद, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहर कोतवाली थाना क्षेत्र के सराय पोख्ता चौकी अंतर्गत मोहल्ला अहमद खां मंडी में एक व्यक्ति द्वारा खुलेआम मुर्गा काटने और उसके अवशेष खुले में फेंकने का मामला सामने आया है। इसको लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी देखी जा रही है। मोहल्ले के लोगों का आरोप है कि शिया मस्जिद के सामने एक व्यक्ति बिना किसी व्यवस्था के खुलेआम मुर्गा काटकर बेच रहा है। बताया जा रहा है कि मुर्गा काटने के बाद उसके अवशेष पास के खाली मैदान में फेंक दिए जाते हैं, जिससे इलाके में गंदगी फैल रही है और बीमारी फैलने का खतरा बना हुआ है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि खुले में फेंके गए अवशेषों को आवारा कुत्ते और कौवे इधर-उधर फैलाते रहते हैं, जिससे गली और आसपास के घरों की छतों तक गंदगी पहुंच जाती है। इससे लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मोहल्लेवासियों ने प्रशासन से इस मामले में जांच कर उचित कार्रवाई करने की मांग की है, ताकि क्षेत्र में स्वच्छता बनी रहे और लोगों को इस समस्या से राहत मिल सके।

मुन्ना लाल प्रजापति का गृह प्रवेश 13 मार्च को

प्रेम चंद मिश्रा

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। नालासोपारा पूर्व ओसवाल नगरी निवासी मुन्ना लाल प्रजापति के नये घर का गृह प्रवेश दिनांक 13 मार्च 2026 शुक्रवार को सुबह 10 बजे वैदिक रीति रिवाज से किया जाएगा।स्थान नालासोपारा पश्चिम फ्लैट नंबर 1305 , अ वींग बिल्डिंग नंबर 3 परिजात हाईट श्रीप्रस्थ रोड नियर मदर मेरी स्कूल नालासोपारा पश्चिम में रखा गया है। उसी दिन शाम को प्रीतिभोज का आयोजन है। यह आयोजन मुन्ना लाल प्रजापति व डॉ नीरज प्रजापति के द्वारा किया गया है। मुन्ना लाल प्रजापति मूलतः उत्तर प्रदेश जनपद प्रतापगढ़ पट्टी के निवासी हैं। अतः सभी सगा-संबंधी तथा शुभचिंतकों से निवेदन है कि ठीक समय पर पधार कर हमारे नये घर का शोभा बढ़ाएं।

भाजपा नारी शक्ति महिला संगठन के कार्यक्रम में विधायक स्नेहा दुबे पंडित हुईं शामिल

वसई रोड। वसई वेस्ट स्थित समाज मंदिर, विशाल नगर (अंबाडी रोड) में भारतीय जनता पार्टी वसई विधानसभा के नारी शक्ति महिला संगठन द्वारा आयोजित नारी शक्ति स्नेह सम्मेलन कार्यक्रम बड़े उत्साह और गरिमामय माहौल में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में वसई विधानसभा की विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका, उनकी शक्ति, नेतृत्व क्षमता और उपलब्धियों का सम्मान करना था। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम महिलाओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं और महिला सशक्तिकरण को नई दिशा और ऊर्जा प्रदान करते हैं। इस अवसर पर वार्ड नंबर 23 की कॉर्पोरेटर श्रीमती अपर्णा पाटिल, कॉर्पोरेटर श्रीमती निम्मी निपुण दोशी, श्रीमती चारुशीला घरात, डॉ. सीमा सेंगर, नंदू पवार, छोटू आनंद, निपुण दोशी, साईराज पवार, रवींद्र चव्हाण, हरीश बेदी सहित बड़ी संख्या में महिला बहनें, पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान यह संदेश दिया गया कि समाज में महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और प्रगति के लिए सभी को मिलकर काम करना होगा। वक्ताओं ने कहा कि महिला शक्ति ही समाज और राष्ट्र की तरक्की की असली ताकत है।

डीएसपी म्यूचुअल फंड सर्वेक्षण: अधिकांश महिलाएं अब स्वतंत्र निवेश निर्णय लेती हैं

मुंबई (उत्तरशक्ति)। डीएसपी म्यूचुअल फंड ने यूगोव के साथ पार्टनरशिप में डीएसपी विनवेस्टर पल्स 2025–26 जारी किया है, जो 13 शहरों में 5,050 शहरी निवेशकों का एक राष्ट्रव्यापी अध्ययन है, जिसमें भारत के निवेश परिदृश्य में निर्णायक बदलावों के बारे में बात की गई है। महिलाएँ अपने वित्तीय निर्णयों की जिम्मेदारी का प्रभार तेजी-से ले रही हैं, यहाँ तक कि निवेशक के आत्मविश्वास और संरचित वित्तीय योजना के बीच एक चौड़ी खाई उभर रही है।

अब अधिकांश महिलाएँ (56%) कहती हैं कि वे 2022 में 44% से तेजी-से निवेश निर्णय करती हैं, जो अध्ययन में दर्ज सबसे महत्वपूर्ण आंदोलन है। जबकि पुरुष 68% पर नेतृत्व करना जारी रखे हुए हैं, महिलाओं के बीच ऐक्सीलरेशन इंक्रीमेंटल भागीदारी के बजाय संरचनात्मक परिवर्तन का संकेत देता है। हालाँकि, स्वतंत्रता का मतलब सलाह से पीछे हटना नहीं है। अब महिलाओं के परामर्श के साथ स्वायत्तता को मिलाने की अधिक संभावना है। चार में से लगभग एक महिला (2025 में 24% बनाम 2022 में 17%) कहती है कि वह एक पेशेवर सलाहकार के परामर्श से पूरी तरह से स्वतंत्र निर्णय करती हैं। जीवनसाथी से प्रोत्साहन भी एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में उभरा है, जिसमें महिलाएँ अपनी निवेश यात्रा में एक प्रभाव के रूप में अपने साथी का हवाला देने की अधिक संभावना रखती हैं। इसी समय, खुद से सीखे गए निवेशक के रूप में दिखाने वाली महिलाओं का अनुपात 13% से बढ़कर 16% हो गया है, जो बढ़ते वित्तीय आत्मविश्वास और स्व-शिक्षण को दर्शाता है। फिर भी अध्ययन एक आश्चर्यजनक विरोधाभास बताता है। हालाँकि महिलाओं और पुरुषों के 84% निवेशकों का कहना है कि वे अपने स्वयं के निवेश निर्णय करने में आत्मविश्वास महसूस करते हैं, केवल 33% रिपोर्ट करते हैं कि इसे पाने के लिए एक स्पष्ट वित्तीय लक्ष्य और एक संरचित योजना दोनों हैं।

करंट लगने से महिला की दर्दनाक मौत, गांव में पसरा मातम

-रियाजुल हक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। रामपुर थाना क्षेत्र के भानापुर गांव में सोमवार को करंट लगने से एक महिला की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार भानापुर गांव निवासी कांती देवी (46) पत्नी सुरेश घर पर बिजली की रॉड से पानी गर्म कर रही थीं। इसी दौरान गलती से उन्होंने गर्म करने वाली रॉड को हाथ से पकड़ लिया, जिससे उन्हें तेज करंट लग गया और वह मौके पर ही गिर पड़ीं। परिजन आनन-फानन में उन्हें पास के एक निजी डॉक्टर के पास ले गए, जहां जांच के बाद डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि घटना के बाद परिजनों ने पुलिस को सूचना दिए बिना ही महिला का अंतिम संस्कार कर दिया। घटना से पूरे गांव में शोक का माहौल है और लोग पीड़ित परिवार को ढांढस बंधा रहे हैं।

अशोक हॉस्पिटल में एक ही छत के नीचे मिल रहा सभी रोगों का इलाज, मरीजों की उमड़ी भीड़

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद मुख्यालय से लगभग सात किलोमीटर दूर जौनपुर-वाराणसी मार्ग पर स्थित अशोक हॉस्पिटल, शंकरगंज-महरूपुर में अब एक ही छत के नीचे विभिन्न रोगों के विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा उपचार शुरू कर दिया गया है। अस्पताल में सेवाएं शुरू होते ही मरीजों की भीड़ उमड़ने लगी है। अस्पताल में नाक-कान-गला (ईएनटी), हड्डी, किडनी, स्त्री रोग और बाल रोग विशेषज्ञ अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इसके साथ ही मरीजों की जांच के लिए अस्पताल में आधुनिक मशीनें भी स्थापित की गई हैं, जिससे लोगों को जांच के लिए अन्य स्थानों पर भटकना नहीं पड़ेगा। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार यहां मरीजों को वही सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं, जो बड़े महानगरों के अस्पतालों में मिलती हैं। इससे अब क्षेत्र के लोगों को इलाज के लिए वाराणसी, प्रयागराज, लखनऊ, दिल्ली या मुंबई जैसे शहरों की ओर रुख नहीं करना पड़ेगा। स्थानीय लोगों ने बताया कि क्षेत्र में इस तरह की आधुनिक चिकित्सा सुविधा मिलने से मरीजों को काफी राहत मिलेगी और समय के साथ-साथ खर्च की भी बचत होगी।

प्रोटीन ब्रेकथ्रू अवेयरनेस प्रोग्राम में बैलेंस्ड न्यूट्रिशन और प्रोटीन अवेयरनेस के महत्व पर रोशनी डालता है

मुंबई। हबार्लाइफ के सपोर्ट से प्रोटीन ब्रेकथ्रू अवेयरनेस प्रोग्राम 2026, लुफ्ट - द एयर, लोखंडवाला, मुंबई में सफलतापूर्वक होस्ट किया गया। इस पहल का मकसद बैलेंस्ड न्यूट्रिशन के बारे में लोगों में जागरूकता बढ़ाना और रोजाना की डाइट में प्रोटीन की जरूरी भूमिका को हाईलाइट करना था। इस मौके पर, हबार्लाइफ इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर, अजय खन्ना ने कहा, ईट राइट इनिशिएटिव 2025 के हिस्से के तौर पर, हम आज के इवेंट में जोश से भरे लोगों के शामिल होने से बहुत खुश हैं। हबार्लाइफ में, हम मानते हैं कि अच्छा न्यूट्रिशन और एक एक्टिव लाइफस्टाइल हेल्दी कम्युनिटी बनाने के लिए जरूरी हैं। त्र्रअक के साथ हमारी लंबे समय से चली आ रही पार्टनरशिप लोगों को बेहतर लाइफस्टाइल ऑप्शन देने के हमारे कमिटमेंट को दिखाती है। ईट राइट इंडिया मूवमेंट सच में असर डाल रहा है, और हमें इस बदलाव में योगदान देने और एक हेल्दी देश के विजन को सपोर्ट करने पर गर्व है। खास बात यह है कि यह इवेंट इंटरनेशनल विमेंस डे के मौके पर ऑर्गनाइज किया गया था, जिससे यह इनिशिएटिव और भी मतलब वाला बन गया क्योंकि इसका फोकस महिलाओं को उनकी न्यूट्रिशनल जरूरतों, खासकर पूरी हेल्थ, ताकत और लंबे समय तक सेहत के लिए सही प्रोटीन लेने के महत्व के बारे में ज्यादा जागरूक बनाने पर था। प्रोग्राम में महिलाओं को जानकारी देकर उन्हें मजबूत बनाने पर जोर दिया गया ताकि वे अपने और अपने परिवार के लिए सोच-समझकर डाइट चुन सकें। यह इनिशिएटिव हेल्थ एंड फैमिली वेलफेयर मिनिस्ट्री के तहत फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के ईट राइट इंडिया मूवमेंट से भी जुड़ा है, जो पूरे देश में सुरक्षित खाने के तरीकों, सोच-समझकर खाने की आदतों और हेल्दी लाइफस्टाइल को बढ़ावा देने के एक जैसे विजन को मजबूत करता है। इस प्रोग्राम में एक्सपर्ट्स के नेतृत्व में कई सेशन हुए, जिनमें प्रोटीन अवेयरनेस और बैलेंस्ड न्यूट्रिशन के खास पहलुओं पर फोकस किया गया।

शिक्षा, समानता एवं सामाजिक परिवर्तन की प्रेरणा है सावित्री बाई फुले : प्रो हरिओम त्रिपाठी

सामाजिक परिवर्तन की प्रतीक थीं सावित्रीबाई: डॉ. विनोद सिंह

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में भारत की प्रथम महिला शिक्षिका, महान समाज सुधारक एवं नारी शिक्षा की अग्रदूत सावित्रीबाई फुले की पुण्यतिथि के अवसर पर मंगलवार को पुष्पांजलि कार्यक्रम एवं विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह की प्रेरणा से आर्यभट्ट सभागार, प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैया) संस्थान में आयोजित हुआ। इस अवसर पर शिक्षकों, अधिकारियों एवं विद्यार्थियों ने सावित्रीबाई फुले के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी और उनके महान योगदान को स्मरण किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता तिलकधारी पी.जी. कॉलेज, जौनपुर के प्रख्यात शिक्षाविद् प्रो. हरिओम त्रिपाठी ने सावित्रीबाई फुलेः भारतीय महिला शिक्षा की अग्रदूतह्व विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि सावित्रीबाई फुले ने ऐसे समय में महिलाओं की शिक्षा का अलख जगाया, जब समाज में महिलाओं को शिक्षा से वंचित रखा जाता था। उन्होंने अपने पति महात्मा ज्योतिराव फुले के साथ मिलकर समाज में शिक्षा, समानता और सामाजिक न्याय की मजबूत नींव रखी। उन्होंने कहा कि सावित्रीबाई फुले का जीवन साहस, संघर्ष और समाज सेवा का प्रेरणादायी उदाहरण है, जो आज भी नई पीढ़ी को शिक्षा और समानता के लिए प्रेरित करता है।

परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह ने कहा कि सावित्रीबाई फुले केवल एक शिक्षिका ही नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन की सशक्त प्रतीक थीं। उन्होंने अपने अदम्य साहस और दृढ़ संकल्प से समाज में महिलाओं तथा वंचित वर्गों के लिए शिक्षा के द्वार खोले। उनके विचार आज भी समाज को प्रगतिशील और समतामूलक दिशा प्रदान करते हैं। शिक्षा संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. अजय दुबे ने कहा कि सावित्रीबाई फुले ने शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का सशक्त माध्यम बनाया।

कार्यक्रम के संयोजक एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने सभी अतिथियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन महान व्यक्तित्वों के आदर्शों को नई पीढ़ी तक पहुँचाने का सशक्त माध्यम होते हैं। उन्होंने कहा कि सावित्रीबाई फुले का जीवन हमें शिक्षा, समानता और सामाजिक न्याय के मूल्यों को आत्मसात करने की प्रेरणा देता है।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. नितेश जायसवाल ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुनील कुमार ने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन सावित्रीबाई फुले के आदर्शों को आत्मसात करने के संकल्प के साथ हुआ।

करंजाकला ब्लॉक संसाधन केंद्र पर संगोष्ठी व उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। ब्लॉक संसाधन केंद्र करंजाकला में मंगलवार को ब्लॉक स्तरीय संगोष्ठी एवं उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान, स्थानीय प्राधिकारी के सदस्य, प्रधानाध्यापक तथा विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्षों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि करंजाकला सुनील यादव (मम्मन) ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा समाज के विकास की सबसे मजबूत नींव है। उन्होंने कहा कि विद्यालयों की प्रगति और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए शिक्षकों, अभिभावकों और ग्राम पंचायतों को मिलकर कार्य करना होगा। उन्होंने निपुण भारत मिशन और समग्र शिक्षा अभियान के तहत चल रहे प्रयासों की सराहना करते हुए सभी से शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग देने की अपील की।

विशिष्ट अतिथि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. गोरखनाथ पटेल ने अपने संबोधन में कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि प्राथमिक स्तर पर बच्चों को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले। उन्होंने कहा कि निपुण भारत मिशन के माध्यम से बच्चों को बुनियादी साक्षरता और गणितीय दक्षता प्रदान करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए शिक्षकों के साथ-साथ अभिभावकों और समाज की सहभागिता भी जरूरी है। इस अवसर पर राम कृष्ण यादव, सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) करंजाकला ने भी सरकार की विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में श्रवण कुमार यादव (खंड शिक्षा अधिकारी करंजाकला) सहित शिक्षक संगठनों के पदाधिकारी और क्षेत्र के गणमान्य लोग उपस्थित रहे। करंजाकला क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों से आए बच्चों ने अपनी मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रीय आविष्कार प्रतियोगिता में सफल बच्चों को मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया गया। साथ ही ब्लॉक के दूरस्थ विद्यालयों से आए बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए भी उन्हें सम्मानित किया गया।

इसुजु मोटर्स इंडिया में शीर्ष प्रबंधन में बदलाव

मुंबई। जापान की कंपनी इसुजु मोटर्स लिमिटेड की सहायक कंपनी इसुजु मोटर्स इंडिया(क्टक) ने अपने शीर्ष प्रबंधन में एक महत्वपूर्ण बदलाव की घोषणा की है।मित्सुबिशी कॉर्पोरेशन, जापान के इसुजु व्यवसाय प्रभाग के श्री ताकेशी हिरानो को इसुजु मोटर्स इंडिया के नए उप प्रबंध निदेशक के तौर पर श्री तोरू किशिमोटो के स्थान पर नियुक्त किया गया है। श्री ताकेशी हिरानो के पास इसुजु के लिए वैश्विक बाजारों में वितरण और विपणन के क्षेत्र में दो दशकों से अधिक का अनुभव है। उन्होंने इसुजु मोटर्स और मित्सुबिशी कॉर्पोरेशन में विभिन्न पदों पर कार्य करते हुए अलग-अलग देशों के बाजारों में संचालन की ज़िम्मेदारी संभाली है। उन्हें भारतीय बाजार की भी अच्छी समझ है, इससे पहले वे इसुजु मोटर्स इंडिया में उपाध्यक्ष झ बिक्री और विपणन के पद पर कार्य कर चुके हैं, जहाँ उन्होंने भारतीय बाजार में कंपनी की नींव मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। श्री तोरू किशिमोटो अब जापान में कंपनी के मुख्य कार्यालय में नई जिम्मेदारी संभालेंगे। कंपनी के अनुसार, प्रबंधन में यह बदलाव उसके व्यापारिक योजना के तहत किया गया है।

सपा जौनपुर 15 मार्च को मनाएगी कांशीराम साहब की 92वीं जयंती

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश तथा प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल के आदेशानुसार समाजवादी पार्टी जौनपुर आगामी 15 मार्च को बहुजन नायक कांशीराम की 92वीं जयंती को बहुजन समाज दिवस / पीडीए दिवस के रूप में भव्य रूप से मनाएगी। इस संबंध में मंगलवार को सपा जिला कार्यालय सदर चुंगी अलफस्टीनगंज में जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य की अध्यक्षता में तैयारी बैठक आयोजित की गई। बैठक में जयंती समारोह को सफल बनाने के लिए विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने कहा कि समाजवादी पार्टी बहुजन नायक कांशीराम साहब की जयंती 15 मार्च को बहुजन समाज दिवस एवं पीडीए दिवस के रूप में पूरे उत्साह के साथ मनाएगी। उन्होंने कार्यकतोओं से कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने का आह्वान किया। बैठक में मुख्य रूप से पूर्व विधायक राजनारायण बिंद, पूर्व प्रत्याशी संजय सरोज, प्रदेश सचिव हिसामुद्दीन शाह, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य दीपचंद राम, वरिष्ठ नेता रूखसार अहमद, जिला उपाध्यक्ष श्याम बहादुर पाल, महेंद्र प्रताप यादव, हीरालाल विश्वकर्मा, उमाशंकर पाल, डॉ. शबनम नाज, लाल मोहम्मद राईनी, कमलेश यादव, मालती निषाद, दीपक विश्वकर्मा, रामजतन यादव, वीरेंद्र यादव, रमाशंकर यादव, दिलीप प्रजापति, गुड्डू सोनकर, आनंद गुप्ता, अशोक यादव नायक, राम अभिलाष यादव, यूथ ब्रिगेड के जिला उपाध्यक्ष आसिफ शाह, रवि यादव सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक का संचालन जिला महासचिव आरिफ हबीब ने किया। वहीं जिला सचिव गुलाब यादव रीठी, अमित गौतम, प्रदीप पाल एडवोकेट, अरविंद यादव, विवेक यादव, आजाद यादव, संदीप बिंद समेत बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मुंबई मेयर श्रीमती रितु तावड़े से मिले विधायक राजन नाइक, वसई के फूल उगाने वाले किसानों के लिए मांगा सहयोग

मुंबई। वसई तालुका के स्थानीय फूल उगाने वाले किसानों की समस्याओं को लेकर भाजपा विधायक राजन नाइक ने मुंबई की मेयर श्रीमती रितु तावड़े से मुलाकात की। इस मुलाकात में किसानों को दादर फूल बाजार में फूल बेचने के लिए आवश्यक सहयोग देने की मांग की गई। मेयर रितु तावड़े ने आश्वासन दिया कि मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन वसई तालुका के स्थानीय फूल उत्पादक किसानों को दादर बाजार में सुबह के समय फूल बेचने के लिए हर संभव सहायता प्रदान करेगा।

गौरतलब है कि पिछले लगभग 50 वर्षों से वसई तालुका के किसान दादर के फूल बाजार में अपने फूल बेचते आ रहे हैं। वसई के बगीचों में उगने वाले सोनचाफा, जसवंद, तगर, मोगरा और सायली जैसे फूलों की मुंबई में विशेष मांग है। दादर बाजार में उचित दाम मिलने के कारण छोटे किसान भी रोज सुबह अपने फूल वहां बेचने के लिए जाते हैं। हालांकि, हाल के दिनों में मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के कारण फूल विक्रेताओं को कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। इस विषय को लेकर किसानों में चिंता बढ़ गई थी।

इसके अलावा, बाजार में नकली फूलों की बढ़ती मांग के कारण पिछले कुछ वर्षों में प्राकृतिक फूलों की मांग में भी कमी आई है। बावजूद इसके, वसई के सैकड़ों किसानों की आजीविका अभी भी फूलों की खेती पर ही निर्भर है। विधानसभा के बजट सत्र में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी दादर के फूल विक्रेताओं के व्यवसाय के प्रति सहानुभूति व्यक्त की थी। इसके बाद वसई के किसानों ने अपनी समस्याएं विधायक राजन नाइक के सामने रखीं। आज विधायक राजन नाइक कुछ किसानों के साथ इस विषय को लेकर मुंबई की मेयर रितु तावड़े से मिले और उनसे सहयोग का अनुरोध किया। बैठक में यह भी बताया गया कि फूलों की बिक्री सुबह 4:30 बजे से 7:30 बजे के बीच होती है, जिससे ट्रैफिक जाम या पैदल यात्रियों को कोई परेशानी नहीं होती।

वसई-विरार में कमेंसमेंट और ऑक्युपेंसी सर्टिफिकेट का मुद्दा विधानसभा में गूंजा, विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने उठाई आवाज

मुंबई। आज विधानसभा में वसई-विरार म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन क्षेत्र में कमेंसमेंट सर्टिफिकेट (उउ) और ऑक्युपेंसी सर्टिफिकेट (डउ) से जुड़ा एक गंभीर मुद्दा वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित द्वारा जोरदार तरीके से उठाया गया। उन्होंने इस विषय पर एक महत्वपूर्ण सुझाव रखते हुए आम नागरिकों की समस्याओं को सदन के सामने रखा।

विधायक ने बताया कि वर्ष 2009 से अब तक वसई-विरार में लगभग 2300 इमारतों को कमेंसमेंट सर्टिफिकेट दिया जा चुका है, लेकिन इनमें से बड़ी संख्या में इमारतों को अब तक ऑक्युपेंसी सर्टिफिकेट नहीं मिला है। ऑक्युपेंसी सर्टिफिकेट के अभाव में हजारों नागरिकों को पानी और अन्य आवश्यक सुविधाएं प्राप्त करने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि कई मामलों में मंजूरी से अधिक निर्माण होने के कारण कुछ डेवलपर्स ऑक्युपेंसी सर्टिफिकेट के लिए आवेदन ही नहीं करते। इस वजह से बड़ी संख्या में फ्लैट खरीदने वाले लोगों के साथ अन्याय और धोखाधड़ी जैसी स्थिति पैदा हो रही है। साथ ही, इस पूरे मामले में कुछ अधिकारियों और डेवलपर्स के बीच संभावित मिलीभगत पर भी सवाल उठाए गए।

सदन में रखी गई मुख्य मांगों में मुंबई की तर्ज पर वसई-विरार में भी ऑक्युपेंसी सर्टिफिकेट देने के लिए ह्लअभय योजनाह्व लागू की जाए। पूरे मामले की निष्पक्ष जांच के लिए एसआईटी (स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम) गठित की जाए। निर्माण के हर चरण पर निरीक्षण न करने वाले जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। इस पर जवाब देते हुए मंत्री ने बताया कि लगभग 2300 में से करीब 1200 इमारतों को ऑक्युपेंसी सर्टिफिकेट दिया जा चुका है। उन्होंने माना कि बाकी इमारतों को अभी तक सर्टिफिकेट न मिलना एक गंभीर मुद्दा है। पूरे मामले की जांच के लिए डिविजनल कमिश्नर की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की जाएगी। जांच रिपोर्ट आने के बाद वसई-विरार में अभय योजना लागू करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

आजमगढ़ पब्लिक स्कूल के छात्रों ने सीए परीक्षा में हासिल की उल्लेखनीय सफलता

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। कोटिला चेकपोस्ट स्थित आजमगढ़ पब्लिक स्कूल ने एक बार फिर शैक्षणिक उत्कृष्टता की अपनी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए गौरवपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। विद्यालय के छात्र जहां पहले से ही डॉक्टर और इंजीनियर बनकर विभिन्न क्षेत्रों में अपनी पहचान बना रहे हैं, वहीं वाणिज्य संकाय के विद्यार्थी भी पेशेवर पाठ्यक्रमों में निरंतर उल्लेखनीय सफलता प्राप्त कर रहे हैं। हाल ही में क्ल्ल२३३४३ी ड्ड उँ१३१ी अूङ्क४ल्ल३ल्ल३२ ड्ड क्ल्र्ल (आईसीएआई) द्वारा घोषित सीए फाउंडेशन एवं सीए इंटरमीडिएट परीक्षा परिणामों में आजमगढ़ पब्लिक स्कूल के पाँच विद्यार्थियों ने सफलता प्राप्त कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। सफल विद्यार्थियों के नाम इस प्रकार हैं। मोहम्मद अनस सीए इंटरमीडिएट (ग्रुप-क), अदनान खालिद सीए इंटरमीडिएट (ग्रुप-क), अब्दुर्रहमान सीए इंटरमीडिएट, अमीश नवाज सीए फाउंडेशन और अबू राफे सीए फाउंडेशन। विद्यालय के मैनेजर सी.ए. मोहम्मद नोमान ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि हमारे लिए यह अत्यंत गर्व का विषय है कि आजमगढ़ पब्लिक स्कूल के विद्यार्थी न केवल बोर्ड परीक्षाओं में बल्कि पेशेवर पाठ्यक्रमों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। यह सफलता विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और विद्यालय के सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण का परिणाम है। विद्यालय की प्रधानाचार्या रूपल पंड्या ने भी सभी सफल विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत है। हमें विश्वास है कि हमारे छात्र भविष्य में भी अपनी प्रतिभा, अनुशासन और कड़ी मेहनत के बल पर नई ऊँचाइयों को प्राप्त करेंगे। विद्यालय परिवार ने आशा व्यक्त की है कि ये विद्यार्थी भविष्य में भी अपनी प्रतिभा और परिश्रम से नई उपलब्धियाँ हासिल कर विद्यालय, जनपद तथा देश का नाम रोशन करेंगे।

अपने गांव के विकास की लड़ाई लड़ रहा एक रिटायर्ड सेना अधिकारी

-शिव पूजन पाण्डेय

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अवकाशप्राप्त मानद कैप्टन अशोक उपाध्याय ने जिलाधिकारी से मिलकर चकबन्दी प्रक्रिया पुनः प्रारम्भ कराने एवं सड़क निर्माण को लेकर ज्ञापन सौंपा। यह मांग जनपद के खुटहन क्षेत्र के बीरमपुर गांव की मूलभूत समस्याओं को लेकर की गयी है। जिलाधिकारी को दिये गये ज्ञापन के माध्यम से श्री उपाध्याय ने बताया कि उक्त गांव में लगभग 25 वर्ष पहले चकबन्दी प्रक्रिया प्रारम्भ हुई थी किन्तु विगत वर्ष बिना चकबन्दी पूर्ण हुये ही अभिलेख पुनः तहसील को वापस कर दिये गये। वर्तमान में गांव से सम्बन्धित समस्याओं के समाधान हेतु समुचित समन्वय एवं मार्गदर्शन के अभाव में ग्रामवासियों के हित से जुड़े कार्य अपेक्षित रूप से पूर्ण नहीं हो पा रहे हैं। उपाध्याय ने बताया कि इसके अलावा गांव में सड़क मार्ग का अभाव है जिसके चलते ग्रामवासियों को आवागमन में अत्यधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। वहीं सड़क न होने से स्वास्थ्य सेवाओं, विद्यालय सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं तक पहुंचना भी कठिन हो जाता है। शिकायतकर्ता के अनुसार उक्त गांव सैनिक बाहुल ग्राम है जहां तमाम युवक भारतीय सेना, वायु सेना सहित अन्य सुरक्षा बलों में सेवा देकर देश की रक्षा कर रहे हैं। इसके बावजूद ग्रामवासी आज भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं। कैप्टन अशोक उपाध्याय का ज्ञापन लेते हुये जिलाधिकारी डा. दिनेश चन्द्र ने तत्काल सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया कि इस पर त्वरित कार्यवाही की जाए।

बदलापुर में 2.16 करोड़ से बनेंगी छह इंटरलॉकिंग व सीसी सड़कें

0-मुख्यमंत्री नगरीय अल्पविकसित व मलिन बस्ती विकास योजना के तहत मिली स्वीकृति

0- विधायक रमेश चंद्र मिश्रा ने सीएम योगी व नगर विकास मंत्री का जताया आभार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर पंचायत बदलापुर के विभिन्न वार्डों में सड़क निर्माण के लिए मुख्यमंत्री नगरीय अल्पविकसित व मलिन बस्ती विकास योजना के अंतर्गत 2 करोड़ 16 लाख रुपये की लागत से छह इंटरलॉकिंग व सीसी मार्गों के निर्माण को स्वीकृति मिल गई है। बदलापुर के भाजपा विधायक रमेश चंद्र मिश्रा के प्रस्ताव पर इन परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। विधायक ने इसके लिए सीएम योगी आदित्यनाथ तथा नगर विकास मंत्री ए.के. शर्मा के प्रति आभार व्यक्त किया है। बदलापुर के भाजपा

विधायक रमेश चंद्र मिश्रा ने बताया कि नगर पंचायत क्षेत्र के कई वार्डों में लंबे समय से सड़क निर्माण की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। उनके प्रस्ताव पर सरकार द्वारा 2.16 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न स्थानों पर इंटरलॉकिंग व सीसी सड़क निर्माण कार्यों को स्वीकृति प्रदान कर धनराशि जारी की गई है। उन्होंने कहा कि इन सड़कों के निर्माण से नगर पंचायत के कई मोहल्लों और बस्तियों में रहने वाले लोगों को बेहतर आवागमन की सुविधा मिलेगी तथा क्षेत्र के विकास को नई गति प्राप्त होगी। विधायक ने प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री और नगर विकास मंत्री ए.के. शर्मा के प्रति हृदय से धन्यवाद और आभार व्यक्त किया।

विधायक ने कहा कि सरकार नगरीय क्षेत्रों के विकास और मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए लगातार कार्य कर रही है, जिससे आम नागरिकों को सीधे तौर पर लाभ मिल रहा है।

स्वीकृत परियोजनाओं में नगर पंचायत बदलापुर के पिच रोड से, सीसी रोड निर्माण, इंटरलॉकिंग सड़क का निर्माण कार्य शामिल हैं।

सैयदराजा में 1.40 करोड़ की अवैध शराब बरामद, दो तस्कर गिरफ्तार

चंदौली (उत्तरशक्ति)। जनपद के सैयदराजा क्षेत्र में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए करोड़ों रुपये की अवैध अंग्रेजी शराब बरामद की है। सैयदराजा पुलिस, स्वाट और सर्विलांस टीम की संयुक्त कार्रवाई में एनएच-19 पर एक कंटेनर ट्रक से भारी मात्रा में शराब पकड़ी गई। पुलिस के अनुसार कंटेनर की तलाशी लेने पर 849 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब बरामद हुई, जिसमें लगभग 7473 लीटर शराब पाई गई। शराब की बोतलों पर"For Sale in Punjab Only" लिखा हुआ था, जिससे यह अवैध तरीके से अन्य प्रदेश में खपाने के लिए लाई जा रही थी। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मौके से दो तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। बरामद शराब की कीमत लगभग 1.40 करोड़ रुपये आंकी जा रही है। पुलिस के मुताबिक मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि शराब की यह खेप कहां से लाई जा रही थी और किस स्थान पर पहुंचाई जानी थी।

प्रेमी से शादी की जिद में युवती चढ़ी हाईटेंशन पोल, पुलिस ने समझाकर उतारा

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में मंगलवार दोपहर उस समय हड़कंप मच गया जब एक युवती प्रेमी से शादी कराने की जिद में हाईटेंशन विद्युत पोल पर चढ़ गई। युवती को पोल पर चढ़ा देख ग्रामीणों की भारी भीड़ मौके पर जुट गई। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने काफी समझाने-बुझाने के बाद युवती को सुरक्षित नीचे उतार लिया। बताया जाता है कि 19 वर्षीय युवती का आजमगढ़ जिले के दीदारगंज थाना क्षेत्र के नंदाव गांव निवासी एक युवक से काफी समय से प्रेम संबंध था। परिजनों को जानकारी होने पर तीन महीने पहले उन्होंने इसका विरोध किया, जिसके बाद युवती प्रेमी के साथ घर से चली गई थी। पुलिस ने जनवरी में दोनों को बरामद कर लिया था। युवती के परिजनों की शिकायत पर युवक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे जेल भेज दिया गया था। कुछ समय पहले युवक के जमानत पर छूटने की खबर मिलने के बाद युवती फिर उससे शादी करने की जिद पर अड़ गई। परिजनों ने दोनों के अलग-अलग समुदाय से होने का हवाला देकर विवाह से इनकार कर दिया। इससे नाराज युवती आजमगढ़ जनपद की सीमा से सटे बैरकडीह गांव के पास स्थित हाईटेंशन बिजली पोल पर चढ़ गई और प्रेमी से शादी कराने की मांग करने लगी। सूचना पर प्रभारी निरीक्षक केके सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। काफी देर तक समझाने के बाद युवती को सुरक्षित नीचे उतारा गया। इसके बाद पुलिस उसे हिरासत में लेकर थाने ले गई, जहां उससे पूछताछ की जा रही है।

शिवसेना उत्तर भारतीय संघटना के विभिन्न पदों पर पनवेल रायगड में पदाधिकारियों की नियुक्ति

नवी मुंबई(उत्तरशक्ति)। सोमवार, कलंबोली नवी मुंबई, शिवसेना प्रमुख हिंदू हृदय सम्राट वंदनीय बालासाहेब ठाकरे जी तथा धर्मवीर आनंद दिघे साहेब के आशीर्वाद से एवं शिवसेना के मुख्य नेता और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ संभाजी शिंदे के निर्देशानुसार शिवसेना राष्ट्रीय प्रवक्ता गुलाबचंद दुबे द्वारा, जयप्रकाश के. सिंह के शुभ हाथों से पनवेल रायगड में शिवसेना उत्तर भारतीय संघटना के विभिन्न पदों पर पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया।

जिसमें श्रीमती अंजू अनिकेत सिंह रायगड जिला प्रमुख उरण, दिलीप कुमार मिश्रा तालुका प्रमुख उरण, डॉ. ज्ञान प्रकाश प्रजापति शहर प्रमुख खारघर, श्रीमती कंचनलता निरपेश पाठक शहर प्रमुख करंजाड़े, श्रीमती बबीता रामबदन शर्मा उप शहर प्रमुख करंजाड़े, श्रीमती उषा संजय दीक्षित विभाग प्रमुख करंजाड़े, नीरज कुमार झा विभाग प्रमुख नवीन पनवेल, नंदेश कृष्णा मिश्रा शहर प्रमुख वडघर, चंद्र प्रकाश मिश्रा शहर प्रमुख कलंबोली, विश्वास सुरेश चंद्र पांडेय शहर प्रमुख कामोठे आदि पदाधिकारी नियुक्त किए गए।

इस अवसर पर शिवसेना उत्तर भारतीय संघटना रायगड जिला प्रमुख चंद्र प्रताप प्रजापति,अनिल शुक्ला शिवसेना उपाध्यक्ष महाराष्ट्र, राजेश सिंह शिवसेना सचिव महाराष्ट्र, दिनेश सिंह शिवसेना कोषाध्यक्ष महाराष्ट्र, डी.एन. मिश्रा पनवेल महानगर समन्वयक, तुकाराम सरक शहर प्रमुख कलंबोली, श्रीकांत फालके उप शहर प्रमुख कलंबोली , निलेश दिसले विभाग प्रमुख कलंबोली, विकास एन.शर्मा शहर प्रमुख नवीन पनवेल, शिव सैनिक तथा अन्य गणमान्य उपस्थित थे। इस अवसर पर जय प्रकाश सिंह कार्याध्यक्ष महाराष्ट्र ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दिया। उन्होंने शिव सैनिकों में जोश भरते हुए कहा कि आप सब के नेतृत्व में शिवसेना का बढ़ता आधार तथा जनता का विश्वास 80% समाज सेवा और 20% राजनीति के मंत्र पर लक्ष्य है। आप सभी लोग एकजुट होकर शिवसेना को आगे बढाइए और आम जनता के काम में सहभागी बनिए है। अधिक से अधिक लोगों को शिवसेना से जोड़िए। रायगड जिला प्रमुख चंद्र प्रताप प्रजापति सभी का धन्यवाद तथा आभार व्यक्त करते हुए आश्वासन दिया कि रायगड जिला में शिवसेना एक नंबर बनेगी।

भाजपा कार्यकर्ता तुषार सिंह ने की सीएम योगी से शिष्टाचार मुलाकात

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से युवा नेता एवं भारतीय जनता पार्टी के सक्रिय कार्यकर्ता तुषार सिंह ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की, जिसमें विशेष रूप से शिक्षा और चिकित्सा व्यवस्था को बेहतर बनाने पर जोर दिया गया। युवा नेता तुषार सिंह समाज सेवा की भावना के साथ लगातार जनहित के कार्यों में सक्रिय हैं और वार्ड नंबर 59 से जिला पंचायत चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। वे स्वर्गीय श्रीमती इंदुबाला सिंह जो भाजपा जिला मोर्चा अध्यक्ष रही थीं, की विचारधारा से प्रेरित होकर समाज के हर सुख-दुख में बढ़-चढ़कर भाग लेते हैं। इस अवसर पर तुषार सिंह ने कहा कि वे क्षेत्र के लोगों की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहेंगे और वार्ड 59 से जिला पंचायत प्रत्याशी के रूप में आपका सेवक बनकर जनहित के कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प रखते हैं।

पुरानी योजनाओं पर फिर फीता कटान! मंत्री कर चुके उद्घाटन

अब वही काम दोबारा कर वाहवाही लूटने का आरोप

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में विकास कार्यों के नाम पर पहले से उद्घाटित योजनाओं का दोबारा उद्घाटन किए जाने को लेकर सवाल उठने लगे हैं। मामला वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल यूनिवर्सिटी परिसर से जुड़ा है, जहां जिन योजनाओं का उद्घाटन पहले ही प्रदेश के कैबिनेट मंत्री व जौनपुर के प्रभारी मंत्री ए०के शर्मा द्वारा किया जा चुका था, उन्हीं योजनाओं का एक बार फिर से फीता काटकर उद्घाटन किया गया। बताया जा रहा है कि हाल ही में श्रीमती मनोरमा मौर्या,अध्यक्षा जौनपुर नगर पालिका परिषद, द्वारा उन्हीं कार्य योजनाओं का दोबारा उद्घाटन किया गया और इसे विकास कार्यों की उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत किया गया।

इस घटनाक्रम के बाद स्थानीय लोगों और राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज हो गई है। लोगों का कहना है कि जिन योजनाओं का उद्घाटन पहले ही मंत्री स्तर से हो चुका है, उनका दोबारा उद्घाटन कराना कहीं न कहीं अपनी उपलब्धि दिखाने और अपनी पीठ थपथपाने की कोशिश नजर आता है। आलोचकों का कहना है कि ऐसे आयोजनों से यह सवाल खड़ा होता है कि क्या यह वास्तविक विकास है या फिर जनता को भ्रमित करने की कोशिश। स्थानीय लोगों का मानना है कि अगर योजनाएं पहले ही शुरू हो चुकी थीं, तो उसी कार्य का दोबारा उद्घाटन कर प्रचार करना जनता को गुमराह करने जैसा प्रतीत होता है। फिलहाल इस पूरे मामले को लेकर जनपद में चचाओं का दौर जारी है और लोग यह जानना चाहते हैं कि पहले से उद्घाटित योजनाओं का दोबारा उद्घाटन आखिर किस उद्देश्य से किया गया और इससे जनता को क्या वास्तविक लाभ मिलने वाला है।

हजरत अली की शहादत पर गूंजा शिराज-ए-हिंद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। 20 रमजान मंगलवार को हजरत अली अलैहिस्सलाम की शहादत के मौके पर शहर का शिराज-ए-हिंद गम के माहौल में डूब गया। मीरमस्त स्थित मस्जिद शाह अता हुसैन से कदीम अलम और ताबूत का जुलूस अंजुमन जुल्फेकारिया के नेतृत्व में बरामद हुआ। जुलूस में बड़ी संख्या में अकीदतमंदों ने शिरकत कर हजरत अली को खिराज-ए-अकीदत पेश किया। पूरे रास्ते अली-अली, हाय अली की सदाओं से माहौल गूंजता रहा। मजलिस को खिताब करते हुए पेश इमाम शिया जामा मस्जिद मौलाना महफूजुल हसन खां ने हजरत अली की सीरत और उनकी कुर्बानियों पर रोशनी डाली। इसके बाद जुलूस मस्जिद से बरामद होकर बड़ी मस्जिद होते हुए नवाब यूसुफ रोड पहुंचा, जहां मौलाना जीशान ने तकरीर करते हुए मौला अली की शहादत का बयान किया। इसके बाद जुलूस कोतवाली चौराहा पहुंचा, जहां जाकिर-ए-अहलेबैत बेलाल हसनैन ने मजलिस को खिताब किया। आगे बढ़ते हुए जुलूस चहारसू चौराहा पहुंचा, जहां ढालगरटोला स्थित इमामबाड़ा मद्दु मरहूम में मौलाना कैसर अब्बास आजमी ने मजलिस को संबोधित किया। यहां से अंजुमन हुसैनिया के नेतृत्व में कदीम तुरबत और अलम का जुलूस निकाला गया। नवाज हसन और अदीब ने अपने दर्दभरे नौहे पढ़कर माहौल को गमगीन कर दिया। यह जुलूस कदीम रास्तों से होता हुआ पुनः चहारसू पहुंचा और दूसरे जुलूस में शामिल हो गया। इस मौके पर शिया इंटर कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल मोहम्मद हसन नसीम ने तकरीर की। इसके बाद अंजुमन जुल्फेकारिया के हमराह जुलूस शाही पुल, बेनी साहू की गली, ओलंदगंज, जोगियापुर और कचहरी होते हुए हुसैनाबाद स्थित शाह पंजे पहुंचकर समाप्त हुआ।

6 हजार रुपए से कम में लॉन्च हुआ Pulse 2 स्मार्टफोन, 6,000 mAh बैटरी और 50MP कैमरा

मुंबई। 4GB + 64GB वेरिएंट 5,999 रुपए में Ai+ स्मार्टफोन ने भारत में नया Pulse 2 लॉन्च किया है। लॉन्च के दिन इसकी शुरूआती कीमत 5,999 रुपए रखी गई है, जिससे यह देश के सबसे प्रतिस्पर्धी बजट स्मार्टफोन सेगमेंट में मजबूत दावेदारी पेश करता है। इस फोन की सबसे बड़ी खासियत इसकी बैटरी है। Pulse 2 में 6,000mAh की बैटरी दी गई है। कंपनी का दावा है कि इतनी बड़ी बैटरी के साथ यह अपने कैटेगरी का सबसे पतला फोन है। इसमें 18W फास्ट चार्जिंग का सपोर्ट भी है, इसलिए यह उन लोगों के लिए बनाया गया है जिन्हें दिन के बीच में फोन की बैटरी खत्म होने की चिंता रहती है। कैमरे की बात करें तो फोन में 50MP का डुअल अकरियर कैमरा दिया गया है। साथ ही फ्रंट में 8MP का कैमरा है, जो Pulse 1 के 5MP सेल्फी कैमरे से बेहतर है। पोर्ट्रेट फोटो और अलग-अलग रोशनी में वीडियो कॉल के दौरान इसका फर्क साफ नजर आता है। फोन में 6.745 इंच का HD+ डिस्प्ले दिया गया है, जो 120Hz रिफ्रेश रेट के साथ आता है। पहले मॉडल Pulse 1 में यह 90Hz था। ज्यादा रिफ्रेश रेट की वजह से स्क्रोलिंग और एनिमेशन पहले से ज्यादा स्मूद महसूस होते हैं। इसमें 12nm चिप पर बना Unisoc T7250 ऑक्टा-कोर प्रोसेसर दिया गया है, जो रोजमर्रा के काम आसानी से संभाल लेता है।

छत से गिरकर मासूम ने तोड़ा दम

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मछलीशहर कोतवाली क्षेत्र के कृपाशंकर नगर मोहल्ले में मंगलवार को एक हृदयविदारक घटना सामने आई। यहां छत से गिरने से 2 वर्षीय मासूम अयांश जायसवाल की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया और पूरे मोहल्ले में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार कृपाशंकर नगर निवासी सोनू जायसवाल का पुत्र अयांश मंगलवार दोपहर अपनी दादी के पीछे-पीछे छत पर चला गया था। दादी छत पर कपड़े डालने में व्यस्त थीं। इसी दौरान खेलते-खेलते अयांश पास की बाउंड्री पर चढ़ गया। अचानक संतुलन बिगड़ने से वह बगल की छत पर जा गिरा।गिरने से उसके सीने और पेट में गंभीर चोटें आ गईं। परिजन आनन-फानन में उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मछलीशहर ले गए, जहां डॉक्टरों ने हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। लेकिन जिला अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने मासूम को मृत घोषित कर दिया। मासूम की मौत से परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं मोहल्ले में भी इस घटना से गहरा शोक व्याप्त है।

ऑडी इंडिया ने नई ऑडी SQ8 की बुकिंग शुरू की

मुंबई। जर्मन लग्जरी कार निमार्ता ऑडी ने आज भारत में अपनी नई ऑडी SQ8 के लिए बुकिंग शुरू करने की घोषणा की है। इस एसयूवी को ग्राहक 5,00,000 रुपये की शुरूआती राशि के साथ ऑडी इंडिया की वेबसाइट या 'मायऑडी कनेक्ट' एप्लिकेशन के जरिए बुक कर सकते हैं। ऑडी SQ8 17 मार्च 2026 को लॉन्च होगी। ऑडी की 'Q' रेंज में अपनी खास पहचान रखने वाली नई ऑडी SQ8 में 4.0-लीटर का V8 TFSI इंजन दिया गया है, जो 373 kW की पावर और 770 Nm का टॉर्क जनरेट करता है। यह इंजन इसे एक शानदार अनुभव देता है, जिससे यह एसयूवी मात्र 4.1 सेकंड में 0 से 100 किमी प्रति घंटा की रफ्तार पकड़ सकती है और इसकी अधिकतम स्पीड 250 किमी प्रति घंटा है। ऑडी का 'क्वॉट्रो' परमानेंट ऑल-व्हील ड्राइव, सेल्फ-लॉकिंग सेंटर डिफरेंशियल, एडैप्टिव एयर सस्पेंशन स्पोर्ट और ऑल-व्हील स्टीयरिंग जैसे फीचर्स से लैस ऑडी SQ8 एक ऐसा ड्राइविंग अनुभव प्रदान करती है जो दमदार होने के साथ-साथ बेहद स्मूद भी है। ऑडी इंडिया के ब्रांड डायरेक्टर, बलवीर सिंह ढिल्लों ने कहा, ऑडी SQ8 रोजमर्रा की लग्जरी और बेमिसाल स्पोर्टी परफॉर्मेंस का बेहतरीन संगम है। इसका दमदार इंजन और विशिष्ट 'S' कैरेक्टर इसे एक संपूर्ण एसयूवी बनाते हैं। भारत में हमारे ऑडी Q8 परिवार को जिस तरह का उत्साह मिला है, उससे हमें पूरा विश्वास है कि नई ऑडी SQ8 उन ग्राहकों को बहुत पसंद आएगी जो पारंपरिक लग्जरी एसयूवी से कुछ हटकर चाहते हैं। हमें इसकी बुकिंग शुरू करते हुए बेहद खुशी हो रही है और हम परफॉरमेंस के शौकीन ग्राहकों को सलाह देते हैं कि सीमित उपलब्धता के कारण वे अपनी ऑडी SQ8 समय रहते बुक कर लें।

साइबर ठगी के शिकार पीड़ित को 1.48 लाख रुपये वापस, सरायख्वाजा पुलिस की कार्रवाई

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के थाना सरायख्वाजा पुलिस ने साइबर धोखाधड़ी के एक मामले में प्रभावी कार्रवाई करते हुए पीड़ित को बड़ी राहत दिलाई है। पुलिस टीम के प्रयास से ठगी गई धनराशि में से 1 लाख 48 हजार रुपये वापस कराए गए। पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन में साइबर अपराध की रोकथाम और अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण आतिश कुमार सिंह के दिशा-निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी सदर देवेश सिंह के निकट पर्यवेक्षण में थाना सरायख्वाजा पुलिस ने मामले में तत्परता दिखाते हुए कार्यवाही की। पुलिस ने साइबर ठगी के प्रकरण में कार्रवाई करते हुए माननीय न्यायालय के आदेश के अनुपालन में पीड़ित की ठगी गई धनराशि में से 1,48,000 रुपये वापस दिलाए। धनराशि वापस मिलने पर पीड़ित ने पुलिस की त्वरित और सराहनीय कार्रवाई के लिए आभार व्यक्त किया। कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक अमरेन्द्र कुमार पाण्डेय, कम्प्यूटर ऑपरेटर ग्रेड-बी दीपक कुमार वर्मा तथा कांस्टेबल अचल यादव शामिल रहे।

तेज रफ्तार कार ने बाइक और साइकिल को मारी टक्कर, पांच लोग घायल

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के बड़ागांव थाना क्षेत्र में मंगलवार को एक तेज रफ्तार कार ने बाइक और साइकिल को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे बड़ा हादसा हो गया। दुर्घटना में पांच लोग घायल हो गए।

बताया जा रहा है कि यह हादसा पिंडरा विधायक के जन सहयोग कार्यालय के सामने हुआ। टक्कर इतनी तेज थी कि वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए और मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल घायलों को संभाला और एंबुलेंस की मदद से उन्हें उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और मामले की जांच शुरू कर दी। साथ ही सड़क पर बाधित यातायात को भी बहाल कराया गया। पुलिस का कहना है कि दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

विज्ञान-मौन-सेवा

डॉ. अजय रवींद्र कुंभार के संरचित योग आंदोलन का अंतरराष्ट्रीय उदय

आज का युग तीव्र गति, डिजिटल थकान और मानसिक दबाव से परिभाषित होता जा रहा है। स्वास्थ्य आज एक बड़ा उद्योग बन चुका है, परंतु अनुशासन–वह आज भी दुर्लभ है।

जब योग वैश्विक प्रवृत्ति या फैशन नहीं बना था, तब महाराष्ट्र का एक युवा साधक वर्ष १९९९ में २१ दिनों की मौन साधना में प्रविष्ट हुआ।

न कोई प्रचार, न कोई मंच – केवल श्वास, आत्मनिरीक्षण और अनुशासन।

वही साधक आगे चलकर बने – डॉ. अजय रवींद्र कुंभार – एक क्लिनिकल योग परामर्शदाता, शोधकर्ता और अंतरराष्ट्रीय योग शिक्षक, जिन्होंने योग को केवल अभ्यास नहीं बल्कि एक संरचित वैज्ञानिक पद्धति के रूप में स्थापित करने का प्रयास किया।

प्रारंभिक जीवन : अनुशासन की नींव

महाराष्ट्र में जन्मे डॉ. कुंभार का झुकाव बचपन से ही आत्मचिंतन और आध्यात्मिक अनुशासन की ओर रहा।

वर्ष १९९९ की २१-दिवसीय मौन साधना ने उनके जीवन की दिशा निर्धारित की।

वर्ष २००२ में उन्होंने हिमालय क्षेत्र में ११ दिनों की मौन साधना की। श्री बद्रीनाथ मंदिर के समीप अलकनंदा नदी के तट पर ध्यान साधना की। उज्जैन महाकुंभ के दौरान २१ दिनों का आध्यात्मिक प्रवास ने उनके अनुभव को और अधिक गहरा बना दिया।

ये केवल आध्यात्मिक अनुभव नहीं थे–बल्कि उनके भविष्य के शोध और योग की संरचित पद्धति की आंतरिक आधारशिला बने।

ह्लमौन से संरचना बनती है, और संरचना से शक्ति।

आध्यात्मिक एवं दार्शनिक प्रभाव

डॉ. कुंभार की वैचारिक नींव भारतीय आध्यात्मिक परंपरा से जुड़ी संस्थाओं और साहित्य से प्रभावित रही–

* शिवानंद आश्रम, ऋषिकेश
* गीता मंदिर, ऋषिकेश
* गायत्री परिवार

इन संस्थाओं से प्राप्त आध्यात्मिक प्रेरणा और भारतीय शास्त्रीय साहित्य ने उनके योग दृष्टिकोण को भारतीय परंपरा से जोड़ा, जबकि उनकी औपचारिक शिक्षा ने उसे वैज्ञानिक आधार प्रदान किया।

शैक्षणिक उत्कृष्टता और शोध योगदान

परंपरा और विज्ञान के समन्वय के उद्देश्य से डॉ. कुंभार ने योग के क्षेत्र में उच्च शिक्षा प्राप्त की–

* योग में पीएच.डी.
* यूजीसीझ्रनेट उत्तीर्ण
* योगशास्त्र में स्नातकोत्तर
* एस-व्यासा विश्वविद्यालय, बेंगलुरु से योग प्रशिक्षक प्रमाणपत्र
* द योगा इंस्टिट्यूट, मुंबई से उन्नत शिक्षक प्रशिक्षण

उनका शोध विषय था–

विशिष्ट योग मॉड्यूल द्वारा विद्यार्थियों में तनाव संबंधित विकारों का नियंत्रित अध्ययन।

इस शोध में प्राणायाम, साइक्लिक मेडिटेशन, मांसपेशीय संतुलन और क्रमबद्ध विश्राम तकनीकों को वैज्ञानिक रूप से संरचित किया गया।

उनका मूल सूत्र है–

विज्ञान + योग = सच्चा कल्याण।

केंद्रीय और राज्य स्तर पर सम्मान

डॉ. कुंभार के कार्य को केंद्रीय और राज्य स्तर पर सराहा गया।

केंद्रीय स्तर पर–

* प्रतापराव जाधव

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार

महाराष्ट्र राज्य स्तर पर–

ड्ड एकनाथ शिंदे

मुख्यमंत्री, महाराष्ट्र

दिनांक ९ जुलाई २०२५ को देवगिरी बंगले में–

* अजीत पवार

उपमुख्यमंत्री, महाराष्ट्र

द्वारा उनके पीएच.डी. आधारित योग पुस्तिका की सराहना की गई।

शैक्षणिक स्तर पर मुंबई विश्वविद्यालय के कुलपति द्वारा भी उनके शोध कार्य को सम्मानपूर्वक स्वीकार किया गया।

अंतरराष्ट्रीय विस्तार : सांस्कृतिक कूटनीति के माध्यम से

डॉ. कुंभार को अंतरराष्ट्रीय मंच स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र (भारतीय उच्चायोग के अंतर्गत) के माध्यम से प्राप्त हुआ।

ई-डिस्टेंस एजुकेशन योजना के अंतर्गत उनके योग सत्र विभिन्न देशों तक पहुँचे–

* श्रीलंका
* यूनाइटेड किंगडम

* संयुक्त राज्य अमेरिका
* जर्मनी
* स्विट्जरलैंड
* मस्कट (ओमान)

इन सत्रों को बच्चों, युवाओं, वरिष्ठ नागरिकों तथा चिकित्सीय आवश्यकताओं वाले प्रतिभागियों के लिए विशेष रूप से संरचित किया गया।

पेशेवर और सामाजिक योगदान

डॉ. कुंभार ने योग को समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुँचाने का निरंतर प्रयास किया–

* महाराष्ट्र पुलिस के लिए तनाव प्रबंधन कार्यक्रम
* मुंबई विश्वविद्यालय में संस्कार सिंचन कार्यक्रम के संयोजक
* सायन आयुर्वेदिक अस्पताल में पूर्व संकाय सदस्य
* गोल्ड्स जिम में ७ वर्षों तक योग प्रशिक्षक
* डीएवी पब्लिक स्कूल, ठाणे में वरिष्ठ योग शिक्षक (२०११ से)
* सामुदायिक योग ओपीडी सेवाएँ

उन्होंने फिट इंडिया अभियान के अंतर्गत गेटवे ऑफ इंडिया पर विशेष योग सत्र का संचालन भी किया।

समग्र प्रभाव

उनकी संरचित योग पद्धति मुख्यतः निम्न समस्याओं पर केंद्रित है–

* तनाव और चिंता
* उच्च रक्तचाप
* मधुमेह सहायता मॉड्यूल
* मांसपेशीय असंतुलन
* अवसाद और मनोसामाजिक विकार
* बच्चों में एकाग्रता की समस्या
* बौद्धिक एवं विकासात्मक चुनौतियाँ

इन सत्रों में सहभागी लोगों ने श्वसन क्षमता, मानसिक स्पष्टता, भावनात्मक संतुलन और नींद की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार अनुभव किया।

निष्कर्ष

हिमालय की मौन साधना से लेकर अंतरराष्ट्रीय डिजिटल कक्षाओं तक, राज्य और केंद्र सरकार की सराहना से लेकर सामुदायिक सेवा तक –

डॉ. अजय रवींद्र कुंभार की यात्रा परंपरा, शोध और सेवा का एक अद्वितीय संगम है।

आज जब स्वास्थ्य एक बाजार बनता जा रहा है,

उन्होंने योग को जिम्मेदारी और सेवा के रूप में स्थापित करने का प्रयास किया है।

जहाँ परंपरा मिलती है प्रमाणिकता से –

वहीं योग केवल अभ्यास नहीं, बल्कि उत्तरदायित्व बन जाता है।